राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण बुधवार,२३ दिसंबर २०२० वर्ष-३, अंक -३२४ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रुपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नए स्ट्रेन से भारत सख्त, ब्रिटेन में फंसे कई भारतीय परिवार, छात्रों पर भी पड़ा असर

लंदन। ब्रिटेन में कोरोना वायरस का नया स्ट्रेन मिलने के बाद वहां से आने-जाने वाली उड़ानें प्रतिबंधित होने से कई भारतीय परिवार वहां फंस गए हैं। जिन लोगों ने क्रिसमस और नए साल के मौके पर भारत आने की तैयारी की थी, उन्हें अचानक उड़ानें प्रतिबंधित होने की खबर से झटका लगा है। विभिन्न शिक्षण संस्थानों के पूर्व छात्रों और छात्र संगठन से जुड़े लोगों का कहना है कि नए प्रतिबंधों से ब्रिटेन आने-जाने वाले छात्रों पर असर पड़ा है। कई छात्रों ने इस दौरान भारत लौटने की योजना बनाई थी। वहीं, कई छात्र जनवरी से शुरू होने जा रहे शिक्षण सत्र के लिए ब्रिटेन पहुंचने की तैयारी में भी थे। उन सभी की योजनाएं फिलहाल ध्वस्त हो गई हैं। लोगों को सुविधा व सहयोग का भरोसा दिलाते हुए ब्रिटेन के गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, पूरी महामारी के दौरान हमने वैश्विक स्तर पर यात्रा एवं स्वास्थ्य संबंधी प्रतिबंधों से प्रभावित लोगों की मदद के लिए बहुत से कदम उठाए। इस दौरान वीजा एवं अन्य मामलों में सुविधा दी गई। ब्रिटेन में कोरोना वायरस का एक नया रूप सामने आने के बाद भारत भी सख्त हो गया। भारत सरकार ने ब्रिटेन से आने-जाने वाली उड़ानों को अस्थायी तौर पर निलंबित कर दिया है। सरकार ने 22 दिसंबर की मध्यरात्रि से लेकर 31 दिसंबर तक ब्रिटेन से आने वाली सभी उड़ानों पर पूरी तरह से रोक लगा दी है। इससे पहले जर्मनी, फ्रांस, इटली, नीदरलैंड, आयरलैंड और बेल्जियम की सरकारें भी एहतियात बरतते हुये ब्रिटेन से आने वाली उड़ानों पर रोक लगा चुकी है। बता दें कि ब्रिटेन में कोरोना वायरस का नया स्ट्रेन (प्रकार) बहुत तेजी से लोगों में फैल रहा है। यह पहली बार सितंबर में दक्षिण-पूर्वी इंग्लैंड में सामने आया था। जिसने बहुत ही तेजी से ब्रिटेन के अन्य क्षेत्रों को अपनी चपेट में ले लिया है। भारतीय विज्ञानियों का कहना है कि उन्होंने इस स्ट्रेन को भारत में नहीं देखा है।

हमें बचा लो, हमें बचा लो....

जलती कार में चीखों से गूंज उठा यमुना

आगरा। हमें बचा लो, हमें बचा लो.... यमुना एक्सप्रेस पर मंगलवार तड़के आग का गोला बनी कार में जिंदा जल रहे पांच लोगों की इस चीत्कार ने वहां से गुजर रहे लोगों को अंदर तक हिला दिया। कुछ वाहन चालकों ने कार में सवार परिवार की तरफ मदद का हाथ बढ़ाना चाहा, लेकिन कार में आग इतनी ज्यादा भड़क चुकी थी कि वे कुछ नहीं कर पाए।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर मंगलवार तड़के गलत साइड से आ रहे एक टैंकर की टक्कर के बाद कार में आग लग गई। टीवी रिपोर्ट्स के मुताबिक कार में पांच लोग सवार थे, जिसमें बच्चे भी थे। टक्कर के बाद आग कुछ ही देर में आग के गोले में तब्दील हो गई और उसमें बैठे लोगों को बाहर

निकलने का मौका तक नहीं मिल पाया।

गलत साइड से आ रहे ट्रक ने मारी टक्कर

वहां से गुजर रहे एक चश्मदीद ने बताया, 'जलने वाली कार हमारे पीछे थी। एक्सिडेंट से कुछ पहले ही वह ओवरटेक कर आगे निकली थी। जिस ट्रक ने कार को टक्कर मारी वह गलत साइड से आ रहा था। उसका डीजल टैंक भी लीक था।'

चाह कर भी मदद नहीं कर सके चश्मदीद

इस दर्दनाक घटना के एक और चश्मदीद ने बताया कि कार में आग लगने के बाद उन्होंने अंदर फंसे बच्चे को निकालने की कोशिश की, लेकिन वह निकाल नहीं पाए। पूरी कार अचानक आग का गोला बन चुकी थी। जलती कार में तीन से चार बंदे 'हमें बचा लो, हमें बचा लो' चिल्ला रहे थे।

- यमुना एक्सप्रेस-वे पर मंगलवार तड़के गलत साइड से आ रहे टैंकर की टक्कर के बाद कार में लगी आग
- टीवी रिपोर्ट्स के मुताबिक कार में पांच लोग सवार थे, जिसमें बच्चे भी थे, भयानक आग में सभी जिंदा जले
- कुछ वाहन चालकों ने कार में सवार परिवार की तरफ मदद का हाथ बढ़ाना चाहा, पर वो कामयाब नहीं हुए

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अमेरिका से मिला 'लीजन ऑफ मेरिट' का सम्मान, स्कॉट मॉरिस और शिंजो आबे भी हो चुके हैं सम्मानित

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अमेरिका से खास सम्मान मिला है। उन्हें प्रतिष्ठित लीजन ऑफ मेरिट से सम्मानित किया गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत-अमेरिका की रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाने के लिए पीएम मोदी को यह खास सम्मान दिया है। अमेरिका में भारतीय राजदूत तरनजीत सिंह संधू ने पीएम मोदी की ओर से पदक स्वीकार किया। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रॉबर्ट सी बीबेन ने यह जानकारी दी है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि यह पुरस्कार पीएम के नेतृत्व में वैश्विक शक्ति के रूप में भारत के उद्भव को मान्यता प्रदान करता है। भारत-संयुक्त राज्य अमेरिका की रणनीतिक साझेदारी की प्रगति और वैश्विक शांति और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए उनके द्वारा दिए गए अनुकरणीय योगदान पर यह सम्मान मुहर लगाता है। विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि लीजन ऑफ मेरिट, अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया जाने वाला एक प्रतिष्ठित पुरस्कार है, जो आमतौर पर अन्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों या शासनाध्यक्षों को दिया जाता है। इससे पहले द लीजन ऑफ मेरिट से ऑस्ट्रेलिया के पीएम स्कॉट मॉरिसन और जापान के पूर्व प्रधान मंत्री शिंजो आबे को भी सम्मानित किया जा चुका है।

ममता को हराने का मास्टरप्लान?

मिशन बंगाल के लिए भाजपा ने कर ली 5 महीनों की तैयारी, जानें क्या है रणनीति

नई दिल्ली। मिशन बंगाल के लिए भाजपा नेतृत्व ने अगले पांच माह के लिए पूरी तैयारी कर ली है। हर बूथ तक अपनी मजबूत पैठ बनाने के लिए भाजपा नेता भोजन और संपर्क के जरिए लोगों से सीधा संवाद करेंगे। गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा हर माह राज्य का दौरा करेंगे। उनके अलावा पार्टी के विभिन्न केंद्रीय नेता कम से कम 15 दिन राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में रहेंगे। भाजपा की चुनावी तैयारियां तो वैसे दो महीने पहले ही शुरू हो गई थी और उसके विभिन्न राज्यों से आए संगठन एवं संवाद में माहिर नेताओं ने अपने अपने क्षेत्रों में जाकर काम करना भी शुरू कर दिया है। भाजपा ने बंगाल को संगठनात्मक रूप से पांच हिस्सों में बांटा हुआ है। इनमें उत्तरी बंगाल की कमान संयुक्त संगठन मंत्री शिव प्रकाश संभाले हुए हैं। राढ़ बंग क्षेत्र में रविंद्र जाजू और विनोद सोनकर की टीम है, जबकि कोलकाता में सुनील बंसल और दुष्यंत गौतम मोर्चा संभाले हुए हैं। नवदीप में भीखू भाई दलसानिया के साथ विनोद तावड़े और हावड़ा-मेदिनीपुर में पवन राणा के साथ सुनील देवधर और हरीश द्विवेदी सक्रिय हैं। इनके अलावा सात केंद्रीय नेता संजीव बालियान, गजेंद्र सिंह शेखावत, केशव प्रसाद मौर्य, नरोत्तम मिश्रा, अर्जुन मुंडा और मनसुख मंडाविया छह - छह लोकसभा क्षेत्रों की कमान संभाले हैं। अन्य केंद्रीय मंत्री भी राज्य में सक्रिय है। भाजपा की रणनीति विधानसभा चुनाव तक राज्य के हर क्षेत्र में अपने नेताओं की टीम के जरिए हर मतदाता तक पहुंचने की है। बंगाल के साथ खुद को तादात्म कायम करने के लिए पार्टी ने भोजन और संपर्क अभियान चलाया हुआ है। इसके तहत पार्टी के नेता अपने दोरो में किसी सामान्य व्यक्ति के घर जाकर भोजन करेंगे। वह दलित, पिछड़ा, किसान, मजदूर, कलाकार आदि होंगे। इनके जरिए पार्टी विभिन्न वर्गों को संदेश भी देगी और अपनी जमीन भी मजबूत करेगी। दूसरी तरफ बड़े नेता रोड शो और रैलियों के जरिए ममता बनर्जी के गढ़ में सेंध लगाने की कोशिश करेंगे।

बर्फीली हवाओं से बिहार-यूपी में ठंड का प्रकोप जारी, लिपूलेख में -20 डिग्री पहुंचा पारा, कुटी यंगती नदी जमी

नई दिल्ली। पहाड़ों पर हुई बर्फबारी के कारण मैदानी इलाकों में ठंड बढ़ गई है। जम्मू-कश्मीर तथा हिमाचल प्रदेश में अधिकतर स्थानों पर तापमान शून्य से नीचे चला गया है। कश्मीर में 40 दिन तक पड़ने वाली कड़ाके की ठंड यानी 'चिल्लई कलां' की सोमवार से शुरुआत हो गई। हालांकि इस बीच घाटी के न्यूनतम तापमान में थोड़ी वृद्धि हुई है। अधिकारियों ने कहा कि 21 दिसंबर से 31 जनवरी तक शीतलहर कश्मीर को अपने आगोश में ले लेती है, जिससे इलाके में कड़ाके की ठंड पड़ती है। श्रीनगर में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे चार डिग्री सेल्सियस रहा। राजस्थान में न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी से लोगों को ठंड से थोड़ी राहत मिली है। हालांकि, राज्य के एकमात्र पर्वतीय स्थल माउंट आबू में रविवार रात तापमान शून्य से दो डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार माउंट आबू में रविवार रात न्यूनतम तापमान शून्य से दो डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। पंजाब और हरियाणा में पिछले कुछ दिनों से चल रही शीत लहर की स्थिति सोमवार को भी जारी रही। चंडीगढ़ में न्यूनतम तापमान 5.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पटना के मौसम विज्ञान केंद्र ने अगले 24 घंटे तक राज्य के सभी शहरों में कोल्ड डे या कोल्ड वेब का अलर्ट जारी किया है। उसके बाद के 24 घंटे भी स्थिति में ज्यादा सुधार के आसार नहीं हैं। पटना का अधिकतम तापमान 17.8

डिग्री दर्ज किया गया। गया का अधिकतम 20.6, भागलपुर का 21.2 जबकि पूर्णिया का 22.1 डिग्री सेल्सियस रहा।

यूपी के कुछ हिस्सों में प्रचंड शीतलहर की चेतावनी

मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के दौरान उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में प्रचंड शीतलहर चलने की चेतावनी जारी की है। इस दौरान पूर्वी व पश्चिमी अंचलों में कई स्थानों को कोल्ड डे के हालात रहेंगे यानी दिन में धूप नहीं निकलेगी। सुबह व रात में घना कोहरा छाया रह सकता है। बीते 24 घंटों के दौरान प्रदेश का सबसे ठंडा स्थान चुर्क रहा, जहां रात का तापमान 3.1 डिग्री सेल्सियस रहा। इस दौरान गोरखपुर, वाराणसी, अयोध्या, लखनऊ, बरेली मण्डलों में रात का तापमान सामान्य से कम रहा। सोमवार को लखनऊ और आसपास के इलाकों में दिन में धूप खिली मगर ठिठुरन बनी रही। शाम होते-होते ठण्ड का असर और गहरा गया। पूर्वी और पश्चिमी यूपी में सोमवार को सुबह व रविवार की रात में घना कोहरा छाया रहा।

लिपूलेख में माइनस 20 डिग्री पहुंचा पारा, कुटी यंगती नदी जमी

भारत-चीन सीमा से सटे लिपूलेख क्षेत्र में माइनस 20 डिग्री से नीचे पारा पहुंच गया है। लगातार पारा गिरने के बाद अब कुटी यंगती नदी पूरी तरह से जम गई है। क्षेत्र के 18 प्रमुख जल स्रोतों का पानी भी जम गया है। जिससे उच्च हिमालयी गांवों में इस समय रह रहे कई लोगों के साथ चीन सीमा में तैनात सैनिकों को पीने पानी के लिए तक मुसीबत झेलनी पड़ रही है। 16 हजार 640 फीट से अधिक की ऊंचाई पर स्थित लिपूलेख दर्रा भारत व चीन के बीच सीमा विभाजन करता है।

रामदास अठावले बोले-

मैंने फरवरी में दिया 'गो कोरोना गो' का नारा और अब मामले कम हो रहे

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रई रामदास अठावले अपने बयानों को लेकर सदैव सुर्खियों में रहते हैं। कोरोना जिस समय भारत सहित पूरी दुनिया में पैर पसार रहा था, उस समय अठावले ने 'गो कोरोना गो' के अपने मंत्र को लेकर काफी सुर्खियां बटोरी। सोशल मीडिया में उनका यह मंत्र काफी वायरल हुआ। अब वैक्सीन की दिशा में दुनिया आगे बढ़ रही है। उन्होंने फिर बयान दिया है। अठावले ने कहा, 'कोविड-19 वैक्सीन एक या दो महीने में उपलब्ध होगी। मैंने 20 फरवरी को 'गो कोरोना गो' का नारा दिया था और अब मामले

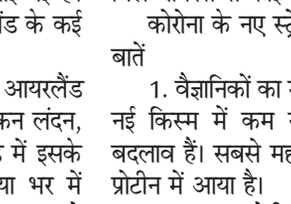

कम हो रहे हैं। यह 6-7 महीने तक रहेगा, आखिरकार इसे दूर करना होगा।'

खुद भी हुए थे कोरोना पॉजिटिव-'गो कोरोना गो' का नारा देने वाले केंद्रीय मंत्री और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष भी कोरोना संक्रमित हो गए हथे। उन्हें इलाज के लिए बॉम्बे हॉस्पीटल में भर्ती कराया गया था। आपको बता दें कि कोरोना को भगाने के इस तरीके को लेकर विरोधियों ने मोदी सरकार के मंत्री पर निशाना साधा था। अठावले के संक्रमित पाए जाने के बाद एक्ट्रेस पायल घोष सहित कई लोगों को कोविड-19 जांच करानी पड़ी थी, क्योंकि आठवले ने पायल को पार्टी की सदस्यता दिलाई थी। इस मौके पर कई लोग समारोह में मौजूद थे।

ब्रिटेन में कोरोना के नए स्ट्रेन पर हाहाकार, विशेषज्ञ बोले- भारत में इसके अब तक कोई केस नहीं

नई दिल्ली। ब्रिटेन में मिले कोरोना वायरस के नए स्ट्रेन ने पूरी दुनिया को चिंता में डाल दिया है। ब्रिटेन में कोरोना वायरस के नए स्ट्रेन के मामलों को देखते हुए एहतियाती तौर पर यूरोप समेत दुनिया के कई देशों ने खुद को ब्रिटेन से अलग-थलग कर लिया है। कोविड-19 के नए स्ट्रेन से मचे हाहाकार को लेकर अब भारत में भी हलचल है। भारत ने भी ब्रिटेन की सभी फ्लाइटों पर पाबंदी लगा दी है। मगर भारत के लिहाज से जो सबसे अच्छी और राहत वाली बात ये है कि यहां अब तक कोविड-19 के नए स्ट्रेन का एक भी मामला सामने नहीं आया है। जिस कोरोना के नए स्ट्रेन से ब्रिटेन में हाहाकार मच गया है, उसके सबूत अब तक भारत में नहीं पाए गए हैं। सोमवार को सरकार के शीर्ष अधिकारियों ने कहा कि भारत में अभी तक कोरोना वायरस का यह नया स्ट्रेन नहीं मिला है। बता दें कि कोरोना वायरस का यह नया स्ट्रेन पूर्व के वायरस के मुकाबले 70 प्रतिशत अधिक तेजी से फैलता है। इस नए खतरे को देखते हुए भारत समेत करीब दुनियाभर के 40 देशों ने ब्रिटेन से विमान सेवाओं को बंद कर दिया है। हालांकि, केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने पुष्टि की है कि कोरोना वायरस का नया स्ट्रेन भारत में नहीं पाया गया है और विमानों पर रोक सिर्फ एक एहतियाती कदम है। बता दें कि यूरोपीय देशों ने अपनी सीमाओं को सील कर दिया है और कड़े प्रावधान लागू कर दिए गए हैं। ब्रिटेन में लॉकडाउन तक लगा दिया गया है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च में महामारी विज्ञान और संचारी रोगों के प्रमुख डॉ. समीरन पांडा ने भी कहा, 'हमने अपने किसी भी सैंपल में अब तक ब्रिटेन के नए कोविड-19 स्ट्रेन से संबंधित कुछ भी नहीं पाया है। चाहे यह पुणे में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (एनआईवी) या देश भर में जीनोम अनुक्रमण करने वाली हमारी कोई भी प्रयोगशाला हो, हमारे नमूनों में इस स्ट्रेन का कोई सबूत नहीं मिला है।' महामारी विज्ञान निगरानी के हिस्से के रूप में भारत म्यूटेशन (कोरोना वायरस में परिवर्तन) को फॉलो करने लिए वायरस जीनोम अनुक्रमण कर रहा है। संपूर्ण जीनोम अनुक्रमण किसी जीव के जीनोम के पूर्ण डीएनए अनुक्रम को निर्धारित करने के लिए उपयोग की जाने वाली विधि है। डॉ पांडा ने कहा, यह एक सतत प्रक्रिया है जो कुछ आठ महीने पहले शुरू हुई थी। इस प्रक्रिया में अगर वायरस में कोई नया उत्परिवर्तन (म्यूटेशन) पाया जाता है, तो इस नए परिवर्तन का पता लगाने के लिए पिछले म्यूटेशन के साथ तुलना की जाती है। अब तक इस कोरोना वायरस में केवल छोटे म्यूटेशन देखे गए हैं जिसके कोई बहुत अधिक परिणाम नहीं हैं और किसी को भी इस जांच प्रक्रिया के दौरान ब्रिटेन के नए स्ट्रेन से संबंधित कुछ नहीं मिला है।

कोरोना का नया रूप 70 प्रतिशत अधिक खतरनाक

नई दिल्ली। ब्रिटेन में कोरोना वायरस के नए प्रकार (स्ट्रेन) के सामने आने के बाद यह धीरे-धीरे पूरी दुनिया में अपना पैर पसार रहा है। लंदन, दक्षिण-पूर्व इंग्लैंड और पूर्वी इंग्लैंड, डेनमार्क और ऑस्ट्रेलिया में कोरोना के नए स्ट्रेन सामने आए हैं। वायरस के नए स्ट्रेन से हालात बेकाबू होने के बाद ब्रिटेन के कुछ शहरों में सख्त प्रतिबंध लगाया है। यहां अब तक की सबसे सख्त पाबंदियां लगाई गई हैं। यह वायरस बेहद कम दिनों में इंग्लैंड के कई हिस्सों में सबसे आम हो गया है।

कोरोना का यह नया स्ट्रेन नॉर्दर्न आयरलैंड को छोड़ पूरे ब्रिटेन में फैला है, लेकिन लंदन, दक्षिण-पूर्व इंग्लैंड और पूर्वी इंग्लैंड में इसके ज्यादा संक्रमण पाए गए हैं। दुनिया भर में वायरसों के जेनेटिक कोड पर नजर रखने वाली संस्था नेक्स्टस्ट्रेन के आंकड़ों से पता चलता है कि डेनमार्क और ऑस्ट्रेलिया में भी यह बदला वायरस मिला है, लेकिन उन जगहों पर यह वायरस ब्रिटेन से आए लोगों से ही पहुंचा है। इटली, फ्रांस और नीदरलैंड में भी इस वायरस के कुछ मामले मिले हैं। दक्षिण अफ्रीका में भी इससे मिलता-जुलता वायरस का प्रकार मिला है, लेकिन उसका ब्रिटेन में मिले वायरस से कोई संबंध नहीं है।

कोरोना के नए स्ट्रेन के बारे में पांच बड़ी बातें

1. वैज्ञानिकों का मानना है कि वायरस की नई किस्म में कम से कम 17 महत्वपूर्ण बदलाव हैं। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव स्पाइक प्रोटीन में आया है।

2. स्पाइक प्रोटीन का इस्तेमाल वायरस हमारे शरीर की कोशिकाओं में घुसने के लिए करता है। यह तेजी से वायरस के अन्य स्ट्रेन की जगह ले रहा है।

3. वायरस को कोशिकाओं को संक्रमित करने की क्षमता बढ़ाने के लिए उन म्यूटेशन में से कुछ को प्रयोगशाला में पहले ही दिखाया जा चुका है।

4. यह स्ट्रेन अत्यधिक तबदीली करने वाला है। यह कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले रोगी में उभरा है, जो वायरस को हराने में असमर्थ था।

5. इस बात का कोई सबूत नहीं है कि नए स्ट्रेन संक्रमण को अधिक घातक बनाता है। विकसित टीका निश्चित रूप से इसके लिए कारगर साबित होगा।

6. वायरस के इस प्रकार (स्ट्रेन) को वीयूआई-202012/01 पहचान दी गई है। यह तेजी से महामारी फैला रहा है।

7. दक्षिण अफ्रीका के वैज्ञानिकों ने देश में 501.वी 2 के रूप में कोरोना के नए स्ट्रेन की पहचान की है।

8. एन501वाई नामक म्यूटेशन स्पाइक के सबसे महत्वपूर्ण हिस्से को बदल देता है।

9. सबसे पहले चीन के वुहान में जो कोरोना वायरस मिले थे, वो अभी दुनिया में मिल रहे वायरस से अलग है।

10. फ़रवरी में यूरोप में डी614जी प्रकार का वायरस मिला था। फिलहाल पूरे विश्व में सबसे ज्यादा यही प्रकार मिलता है।

सितंबर में सामने आया था मामला

नए स्ट्रेन का पता सबसे पहले सितंबर, 2020 में चला था, लेकिन नवंबर में लंदन में संक्रमण के एक चौथाई मामलों में इस वायरस से लोग संक्रमित हुए थे। वहीं, दिसंबर का मध्य आते-आते दो तिहाई मामलों में संक्रमण की वजह यही स्ट्रेन पाया गया।

70 प्रतिशत ज्यादा संक्रामक-विशेषज्ञ

वायरस का यह नया स्वरूप 70 प्रतिशत ज्यादा संक्रामक बताया जा रहा है, यद्यपि स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे कोई साक्ष्य नहीं हैं कि यह ज्यादा जानलेवा है या टीके को लेकर यह अलग तरह की प्रतिक्रिया देगा। इंपीरियल कॉलेज लंदन के डॉ. एरिक वोल्ज कहते हैं, यह बताना अभी वास्तव में काफी जल्दी होग, लेकिन हमने अब तक जो देखा है उसके मुताबिक यह बहुत तेजी से बढ़ रहा है, यह पहले वाले (वायरस के पूर्व स्वरूप) की तुलना में बेहद तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन इस पर नजर रखना महत्वपूर्ण है। यूनिवर्सिटी ऑफ नॉटिंघम में विषाणुविज्ञानी प्रोफेसर जोनाथन बाल कहते हैं, सार्वजनिक रूप से अभी जो साक्ष्य उपलब्ध हैं वह इस बात के लिए कोई ठोस राय बनाने को लेकर अपर्याप्त हैं कि क्या इस विषाणु से वास्तव में प्रसार बढ़ा है।

भारत समेत कई देशों ने ब्रिटेन से यात्रा पर प्रतिबंध लगाया-इंग्लैंड के कुछ हिस्सों में कोरोना वायरस के एक नए प्रकार (स्ट्रेन) के तेजी से पांव पसारने के बीच जर्मनी, इटली, बेल्जियम, डेनमार्क, बुल्गारिया, आयरिश रिपब्लिक, तुर्की और कनाडा के ब्रिटेन से विमानों की आवाजाही पर रोक लगाने के बाद फ्रांस ने भी ब्रिटेन के लिये अपनी सीमाएं बंद करने का फैसला किया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

महामारी की नई चिंता

कोरोना की एक नई प्रजाति के खतरनाक स्वरूप में उभरने की आशंका ने दुनिया में नया तनाव पैदा कर दिया है। चिंता इसलिए भी बढ़ी है, क्योंकि महामारी की इस कथित नई किस्म के सामने आने के बाद सबसे पहले तो यूरोप ने खुद को ब्रिटेन से अलग कर लिया है। ब्रिटिश सरकार ने अनेक इलाकों में लॉकडाउन जैसी सख्ती की शुरुआत कर दी है। स्वाभाविक है, दुनिया का कोई भी देश महामारी की किसी नई किस्म को अपने यहां कतई स्वीकार नहीं करेगा। यहां भारत जैसे विशाल देश की चिंता भी वाजिब है, क्योंकि भारतवंशियों का ब्रिटेन से गहरा जुड़ाव रहा है। दोनों देशों के बीच यातायात भी खूब है, तो दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दोनों देशों के बीच यातायात फौरन बंद करने की मांग रख दी है। भारत ने ब्रिटेन से आने वाली विमान सेवाओं पर 31 दिसंबर तक के लिए रोक भी लगा दी है। हालांकि, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने लोगों को आश्वस्त करते हुए कहा है कि घबराने की जरूरत नहीं है। सरकार पूरी तरह से सतर्क है। पर चिंता के स्तर को इस बात से भी समझा जा सकता है कि इस नए संकट से निपटने के तरीकों पर विचार के लिए ज्वॉइंट मॉनिर्टिंरग ग्रुप की बैठक बुलानी पड़ी है। दुनिया और भारत के शेयर बाजारों पर भी प्रतिकूल असर पड़ा है। क्या वाकई ब्रिटेन में नए किस्म के कोरोना ने हमला बोल दिया है? वैज्ञानिकों को इसकी तह में जाना चाहिए, यह महज महामारी के कुछ लक्षणों में वृद्धि का मामला है या वायरस ने कोई नया रूप ले लिया है? आशंका है, यह नया स्ट्रेन सामान्य से 70 प्रतिशत ज्यादा तेजी से फैलता है। ब्रिटेन भले ही लॉकडाउन की मुद्रा में है, लेकिन दुनिया का कोई देश अब लॉकडाउन नहीं चाहेगा, और भारत तो कतई नहीं। ब्रिटेन तुलनात्मक रूप से एक छोटा देश है, वहां की कुल आबादी सात करोड़ भी नहीं है, जबकि भारत में आबादी 130 करोड़ के आंकड़े को पहले ही पार कर चुकी है। इसके अलावा, ब्रिटेन में प्रति वर्ग किलोमीटर जनसंख्या घनत्व महज 281 है, जबकि भारत में यह 464 है। अत- भारत को हर हाल में ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है। केंद्र सरकार अगर सतर्क है, तो इसका सीधा अर्थ है, हवाई अड्डों पर निगरानी चौकस होगी। याद रखना चाहिए, भारत में कोरोना विदेश से ही आया और शुरुआत में हवाई अड्डों पर ढिलाई बरती गई थी, इसलिए अब तो यूरोप से आने वाली फ्लाइट को भी रोकने की मांग होने लगी है। भारत में 14 सप्ताह से न केवल संक्रमण घट रहा है, बल्कि जान गंवाने वालों की संख्या भी घटी है। हम कह सकते हैं कि हमारे यहां संक्रमण काबू में आ रहा है, ऐसे में, भारत को किसी भी देश से आने वाले खतरे के प्रति बहुत सावधान रहना ही चाहिए। इस बारे में स्वयं ब्रिटेन से भी दुनिया के तमाम देश उम्मीद करेंगे कि वह लोगों को पूरी जांच के बाद ही जाने की मंजूरी दे। पूरी निडरता से तैयारी रखते हुए संक्रमण की पुरानी गलतियों को नहीं दोहराना चाहिए। कोरोना के शुरुआती दौर में चीन और फिर इटली जैसे देश अपने यहां वायरस के प्रसार को सीमित कर सकते थे, लेकिन उन्होंने तब इसकी गंभीरता को नहीं समझा था। लेकिन अब जब दुनिया इस महामारी को अच्छे से जान-समझ गई है, तब किसी भी स्तर पर किसी भी तरह की कोताही की गुंजाइश नहीं छोड़नी चाहिए।

आज के ट्वीट

मतभेद

समाज में वैचारिक मतभेद होते हैं लेकिन जब बात राष्ट्रीय लक्ष्यों की प्राप्ति की हो तो हर मतभेद किनारे रख देने चाहिए

-- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

लम्बी मंदी के हिसाब से बनें नीतियां

भरत झुनझुनवाला

इस वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में हमारी सकल घरेलू आय यानी जीडीपी में 24 प्रतिशत की गिरावट आई थी। इसके बाद की दूसरी एवं तीसरी तिमाही में 8 से 10 प्रतिशत की गिरावट रहने का अनुमान है जो कि सुधार का संकेत देता है। इसी प्रकार जून में वैश्विक संस्थाओं का आकलन था कि इस पूरे वर्ष 2020-21 में भारत की आर्थिक विकास दर ऋणात्मक 10 प्रतिशत रहेगी। लेकिन हाल में कई संस्थाओं ने इस गिरावट के अनुमान को 10 प्रतिशत से कम करके 7 प्रतिशत कर दिया है। इससे परिस्थिति में सुधार की संभावना दिख रही है। इन आकलनों के विपरीत विश्व बैंक ने कहा है कि हम वर्तमान में ही लम्बी मंदी में प्रवेश कर चुके हैं। इन दोनों आकलनों के बीच हमें अपनी राह तय करनी है। अर्थशास्त्र के अनुसार चार प्रकार की मंदी होती है। एक सामान्य मंदी होती है, जैसे यदि किसी एक माह में पिछले वर्ष के उसी माह की तुलना में आय कम हो तो वह सामान्य मंदी कही जाती है। इसे आकस्मिक घटना माना जाता है और इसका दीर्घकालीन संज्ञान नहीं लिया जाता। जैसे सिर दर्द हो जाये तो डॉक्टर के पास नहीं जाया जाता । दूसरी मंदी एक तिमाही तक जारी रहती है। पिछले वर्ष की तिमाही एक की तुलना में इस वर्ष की उसी तिमाही में आय में गिरावट आये तो उसे 'मंदी' या 'रिसेशन' कहा जाता है। तीसरी मंदी वह होती है जो कि दो तिमाहियों तक लगातार रहे। जैसे यदि पिछले वर्ष की पहली दो तिमाहियों की तुलना में इस वर्ष की पहली दो तिमाहियों में आय में गिरावट आये तो इसे 'तकनीकी मंदी' अथवा 'टेक्निकल रिसेशन' कहते हैं। इसके बाद चौथी मंदी वह होती है जो कई वर्ष तक चलती है। इसे 'डिप्रेशन' कहा जाता है अथवा इसे हम लम्बी मंदी कह सकते हैं। जैसे अमेरिका में वर्ष 1929 से 1938 के 9 वर्षों में 7 वर्षों में आय में गिरावट आई थी। यह गिरावट कई वर्षों तक चली। इसलिए इसे डिप्रेशन कहते हैं। इस परिप्रेक्ष्य में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने वर्तमान मंदी को केवल तकनीकी मंदी यानी कि दो तिमाही की मंदी बताया है। उनके अनुसार हम फिलहाल लम्बी मंदी में प्रवेश नहीं किये हैं। इसके विपरीत विश्व बैंक ने कहा है कि हम वर्तमान में ही लम्बी मंदी अथवा डिप्रेशन में प्रवेश कर चुके हैं। यह मंदी लम्बी चल सकती है। इसलिए इन दोनों आकलनों के बीच हम मुद्रा कोष की बात मानकर सकून में रह सकते हैं कि दो तिमाही की यह तकनीकी मंदी शीघ्र समाप्त हो सकती है। लेकिन हमें विपरीत परिस्थितियों के लिए तैयार रहना चाहिए। जैसे शहर बरसात के समय अधिक वर्षा के लिए अपने नदी-नालों को सुव्यवस्थित करता है, भारी बरसात आये या न आये, उसी प्रकार हमें वर्तमान मंदी के लम्बी मंदी में परिवर्तित हो जाने के लिए तैयार रहना चाहिए, लम्बी मंदी आये या न आये। वर्तमान मंदी के सम्बन्ध में दो विशेष अनिश्चिततायें हैं। पहली यह कि वैक्सीन बन कर सफल होती है या नहीं। शीघ्र ही विश्व के तमाम लोगों को वैक्सीन उपलब्ध हो जाने की संभावना है। परन्तु इसके साइड इफेक्ट भी देखे जा रहे हैं। एक संभावना यह भी है कि कोविड का वायरस अपना रूप बदल ले या म्यूटेट हो जाए और पुनः नये रूप में इस महामारी का फैलाव हो सकता है। यूरोपीय देशों में महामारी दोबारा बढ़ गयी है। अमेरिका में भी थम नहीं रही है। वैक्सीन से कितना लाभ होगा, यह समय ही बतायेगा। अभी वैक्सीन के भरोसे रहना उचित नहीं दिखता। दूसरी अनिश्चितता है कि कभी-कभी मंदी का प्रभाव तत्काल कम और कुछ समय बाद ज्यादा गहरा हो जाता है। जैसे वर्ष 2008 की मंदी में उस वर्ष विशेष यानी 2008 में विश्व की आय में मात्र 0.1 प्रतिशत की गिरावट आई थी। लेकिन अगले वर्ष 2009 में विश्व की आय में 2.5 प्रतिशत की गिरावट आई थी। इन दोनों अनिश्चितताओं के कारण एक संभावना यह बनती है कि वर्तमान मंदी शीघ्र सामान्य हो जाये, जैसा कि मुद्रा कोष ने आकलन किया है; अथवा अगले वर्ष गहरी मंदी में हम प्रवेश कर जाएं, जैसी संभावना विश्व बैंक ने जतायी है। इन दोनों अनिश्चितताओं के कारण हमें सतर्क हो जाना चाहिए और लम्बी मंदी के लिये तैयारी कर लेनी चाहिए। यह सोच कर नहीं चलना चाहिए कि वैक्सीन बनने से यह मंदी शीघ्र ही समाप्त हो जायेगी। सबसे विपरीत परिस्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए अन्यथा वैसी परिस्थिति उत्पन्न होने पर हम भारी संकट में पड़ेंगे। जैसे वर्षा पर निर्भर रहने वाला किसान कभी-कभी भारी संकट में पड़ता है। इस सम्बन्ध में हमें ऋण के उपयोग पर ध्यान देना होगा। तमाम सरकारों ने इस मंदी के दौरान भारी मात्रा में ऋण लेकर अपनी अर्थव्यवस्था के चक्कों को चालू रखा है जो कि प्रसन्नता का विषय है। लेकिन यदि यह मंदी लम्बी खिंच जाती है तो सरकारों की उत्तरोत्तर ऋण लेने की क्षमता पर प्रभाव पड़ेगा। ब्याज दरें बढ़ सकती हैं और सरकारों को ऋण मिलना कठिन हो सकता है। उस परिस्थिति में हम दोहरे संकट में पड़ेंगे। मंदी भी जारी रहेगी और वर्तमान में हम ऋण लेकर जिस मंदी को पार कर रहे हैं, वह ऋण लेना भी कठिन हो जाएगा। इसलिए वैश्विक सलाहकारों का कहना है कि ऋण के उपयोग की गुणवत्ता पर ध्यान देने की जरूरत है। यदि सरकारों ने ऋण लेकर सामान्य खर्च जैसे युद्ध, मूर्तियां, पुलिस अथवा सरकारी खपत इत्यादि में खर्च किये तो उस ऋण से नयी आय उत्पन्न नहीं होगी जबकि ऋण पर ब्याज का बोझ बढ़ता जाएगा। तुलना में यदि लिए गये ऋण का हम सुनिवेश करें, विशेषतः अपने देश में सुशासन लागू करने के लिए, श्रमिकों की कार्य क्षमता में सुधार करने के लिए अथवा नयी तकनीकों के आविष्कार के लिए तब उस ऋण से नया उत्पादन शुरू हो जाएगा और लिए गए ऋण की हम अदायगी कर सकेंगे। मान लीजिये भारत सरकार ने ऋण लिया और ऋण लेकर कृषि में नये प्रकार की जैविक खाद का आविष्कार कर लिया। यदि ऐसा हुआ तो मंदी लम्बी भी खिंचे तो भी उस जैविक खाद के प्रभाव से हम मंदी के दौरान भी अपनी आय में वृद्धि हासिल कर सकते हैं। इसलिए सरकार को चाहिए कि जो ऋण लिए जा रहे हैं, उनका उपयोग सुशासन, जनता की कार्य क्षमता और नयी तकनीकों के आविष्कार में करे, न कि वर्तमान सरकारी खपत को पोषित करने में।

लेखक आर्थिक मामलों के जानकार हैं।

ज्ञान गंगा

यांत्रिकता

आचार्य रजनीश ओशो/ एक निश्चित सीमा है जहां तक तुम शरीर को इसके खिलाफ खींच सकते हो, लेकिन यह हमेशा नहीं चल सकता। तुम बहुत ज्यादा काम कर रहे होंगे। तुम्हारा शरीर उतना सहन नहीं कर सकता, इसे विश्राम चाहिए। बजाय इसके कि दो या तीन हफ्ते काम करके फिर दो-तीन हफ्ते आराम करो, पूरे छह हफ्ते काम करो और काम को आधा कम कर दो। साधारण गणित। यह बहुत खतरनाक है क्योंकि यह शरीर में कई नाजुक चीजों को नष्ट कर सकता है, लगातार बहुत ज्यादा काम करना और फिर थकना, और बिस्तर पर पड़ जाना और इस सबके बारे में बुरा अनुभव करना। अपनी गति कम करो, धीरे चलो, और इसको सब तरह से करो। उदाहरण के लिए जिस तरह से तुम चलते हो वैसे चलना बंद करो। धीमे चलो, धीमे स्वांस लो, धीमे बोलो। धीमे खाओ। तुम अक्सर बीस मिनट लेते हो तो चालीस मिनट लो। स्नान धीमे करो। अक्सर दस मिनट लेते हो तो बीस मिनट लो। सारी की सारी गतिविधियों की गति आधी तक कम कर देनी चाहिए। यह केवल तुम्हारे व्यावसायिक कार्य का सवाल नहीं है। सारे चौबीस घंटों को कम करना है; गति को वापिस कम से कम पर, आधी पर लाना है। यह तुम्हारे सारे जीवन के ढांचे और आदतों का परिवर्तन होगा। धीमे बोलो, यहां तक कि पढ़ो भी धीमेपन से, क्योंकि मन सब चीजों को एक ही तरह से करना चाहता है। एक आदमी जो बहुत ज्यादा सक्रिय है तेजी से पढ़ेगा, तेजी से बोलेगा, तेजी से खाएगा; यह एक सनक है। जो कुछ भी वह कर रहा है, वह तेजी से करेगा, चाहे जरूरत ना भी हो। चाहे सुबह घूमने गया हो, वह तेजी से जाएगा। कहीं जा नहीं रहा है। यह सिर्फ घूमना है, और तुम दो मील जाते हो या तीन, इससे फर्क नहीं पड़ता। लेकिन तेज गति से ग्रसित आदमी हमेशा तेजी में होता है। यह बस उसकी स्वचालित यांत्रिकता है, स्वचालित यांत्रिक व्यवहार। यह लगभग अन्तर्निहित हो जाता है। इसलिए इसे रोको। आज से, प्रत्येक चीज को आधा कर दो। ताइ-ची तुम्हारे लिए बहुत अच्छा होगा। तुम इसे बहुत ज्यादा पसंद करोगे। खड़ा होना है, धीरे से खड़े होओ; धीमे चलो, और यह तुम्हें बहुत गहरी जागरूकता भी देगा, क्योंकि जब तुम किसी चीज को बहुत धीरे से करते हो, उदाहरण के लिए, अपना हाथ बहुत धीरे से घुमाते हो, तुम इसे लेकर बहुत सतर्क हो जाते हो। इसे तेजी से घुमाओ और तुम इसे यांत्रिकता से करते हो।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

लैंगिक-धार्मिक तटस्थता की जरूरत

अनूप भटनागर

देश में विभिन्न धार्मिक समुदायों में वैवाहिक विवादों या कहें कि विवाह-विच्छेद से संबंधित कानूनों में विसंगतियों का मामला नये सिरे से चर्चा में आया है। न्यायालय के समक्ष वैसे तो विभिन्न समुदायों के लिये तलाक के लिये एक समान आधार निर्धारित करने के रूप में यह मुद्दा आया है लेकिन ऐसा लगता है कि यह देश में अप्रत्यक्ष रूप से समान नागरिक संहिता की आवश्यकता पर जोर दे रहा है। कितना अच्छा होता कि विभिन्न धर्मों के कानूनों में उचित सुधार करके समान रूप से संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकारों के लाभ दिलाने की दिशा में प्रयास होते। तलाक के लिये समान आधार का मुद्दा भी अप्रत्यक्ष रूप से समान नागरिक संहिता की आवश्यकता को आगे बढ़ाने वाला लगता है क्योंकि इसमें संविधान के अनुच्छेद 14, 15, और 21 के साथ ही 44 को शामिल किया गया है। अनुच्छेद 44 समान नागरिक संहिता के बारे में ही है। अनुच्छेद 44 अनुसार, 'शासन भारत के समस्त राज्य क्षेत्र में नागरिकों के लिये एक समान सिविल संहिता प्राप्त करने का प्रयास करेगा।' लेकिन यह अनुच्छेद आज तक संविधान की पुस्तक तक सिमटा हुआ है जबकि इस दिशा में कदम उठाने के बारे में कई बार उच्चतम न्यायालय अपनी राय व्यक्त कर चुका है। न्यायालय में पहुंचे इस प्रकरण के अनुसार हिन्दू, बौद्ध, सिख और जैन समुदाय के सदस्यों को हिन्दू विवाह कानून, 1955 के तहत विवाह विच्छेद की प्रक्रिया अपनानी होती है जबकि मुस्लिम, ईसाई और पारसी समुदाय में विवाह विच्छेद के लिये उनके अपने पर्सनल कानून हैं। इसके अलावा, अंतर-आस्था वाले वैवाहिक जोड़ों को विशेष विवाह कानून, 1956 के तहत विवाह विच्छेद की प्रक्रिया का पालन करना होता है। तलाक के समान आधार के पक्ष में दलील दी जा रही है कि हिन्दू, ईसाई और पारसी समुदाय में व्यभिचार विवाह विच्छेद का आधार है जबकि मुस्लिम समुदाय के लिये ऐसा नहीं है। हिन्दू और ईसाई समुदाय में असाध्य कुष्ठ रोग तलाक का आधार है लेकिन पारसी समुदाय में ऐसा नहीं है जबकि हिन्दू और मुस्लिम समुदाय में नपुंसकता तलाक का आधार है परंतु ईसाई और पारसी समुदाय में ऐसा नहीं है। यह भी दलील दी गयी है कि हिन्दुओं में नाबालिग से विवाह तलाक का आधार है जबकि ईसाई, पारसी और मुस्लिम समुदाय में इस आधार पर तलाक का प्रावधान नहीं है। इसी से जुड़ा एक और सवाल है और वह है परस्पर सहमति से तलाक। परस्पर सहमति से तलाक का मसला ईसाई समुदाय के तलाक कानून के संदर्भ में न्यायालय में आया था। ईसाई समुदाय के डेढ़ सदी से ज्यादा पुराने भारतीय तलाक कानून की धारा 10-क (1) के तहत कम से कम दो साल अलग रहने के बाद ही इस समुदाय का कोई जोड़ा परस्पर सहमति से विवाह विच्छेद के लिये आवेदन कर सकता है। इसके विपरीत, विशेष विवाह कानून, 1954 की धारा 28, हिन्दू विवाह कानून, 1955 की धारा 13-बी और पारसी विवाह एवं तलाक कानून, 1936 के तहत परस्पर सहमति से तलाक के लिये पति-पत्नी को कम से कम एक साल अलग रहना होता है। इसी तरह, समान नागरिक संहिता की अप्रत्यक्ष रूप से हिमायत करते हुए न्यायालय में एक अन्य याचिका दायर की गयी थी। इस याचिका में भरण पोषण और गुजारा भत्ता के संबंध में भी समान आधारों वाली ऐसी व्यवस्था बनाने का अनुरोध किया गया था जो लैंगिक और धार्मिक रूप में तटस्थ हो तथा अंतर्राष्ट्रीय संधियों के अनुरूप हो। संविधान के प्रावधानों का हवाला देते हुए कुछ समुदायों के व्यक्तिगत कानूनों में प्रचलित प्रथाओं पर सवाल उठाये जा रहे हैं। इसमें बहुविवाह से लेकर तलाक होने की स्थिति में गुजारा भत्ता और भरण पोषण तथा बच्चों के उत्तराधिकार जैसे सवाल उठाये जा रहे हैं। ऐसी स्थिति में सवाल उठता है कि क्या संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 21 के प्रावधानों के अनुरूप विभिन्न समुदायों से संबंधित व्यक्तिगत कानूनों में उचित सुधार करने का समय आ गया है तो इसके लिये संबंधित समुदायों या धर्म गुरुओं और प्रतिनिधियों को पहल करनी होगी। हालांकि, एक तबका इन सुधारों की हिमायत करते हुए उच्चतम न्यायालय द्वारा तीन तलाक की प्रथा को असंवैधानिक घोषित करने की व्यवस्था का हवाला देता है। इसी के आधार पर अब हिन्दू समाज में पहली पत्नी के रहते दूसरा विवाह अमान्य होने लेकिन मुस्लिम समुदाय में पहली पत्नी के बावजूद दूसरी शादी को मान्यता जैसी प्रथा पर भी न्यायालय में ही सवाल उठाया गया है। वैसे न्यायालय ने कहा है कि वह यह विषय विधि आयोग के पास विचारार्थ भेज सकता है जिसे तीन महीने में अपने सुझाव देने होंगे लेकिन अभी तो देश में नया विधि आयोग गठित ही नहीं हुआ है। विधि आयोग का मत है कि विभिन्न समुदायों और धर्मों से संबंधित पर्सनल लॉ के साथ ही विशेष विवाह कानून और अभिभावक तथा आश्रित कानून आदि की खामियों को चरणबद्ध तरीके से दूर करके इन्हें संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकारों के अनुरूप बनाना अधिक बेहतर होगा। सरकार को विधि आयोग के इस सुझाव पर ठोस कदम उठाने चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आपकी तैयारी हमारा साथ

'अगर छात्र यह जान ले कि वह जो पढ़ रहा है, उससे आगे वह किस दिशा में जाएगा, तो लगभग 65 प्रतिशत छात्र बिना किसी शंका के अपने भविष्य का खाका बुन सकते हैं।' अमेरिका के राष्ट्रपति बराक ओबामा का यह कथन शतप्रतिशत सही है। अब वो वक्त आ गया है, जब बारहवीं के छात्रों को इस कथन पर अमल करना चाहिए। परीक्षाओं की तैयारी इस ओर पहला कदम है।

शिक्षा और करियर का चोली-दामन का साथ है। आप अपने लिए किस तरह की जिंदगी की रचना कर रहे हैं या अपने लिए क्या चाहते हैं, इसका उत्तर अब तक आपको मिल जाना चाहिए। ग्यारहवीं में आप स्कूल में जिन विषयों को चुनते हैं और बोर्ड एग्जाम में शिरकत करते हैं, उनसे तय होता है कि आप आगे किस ओर बढ़ रहे हैं। बोर्ड एग्जाम हव्वा नहीं है, पर अहम है। इन परीक्षाओं को ले कर आपको डरने की जरूरत नहीं है। अगर आप आज से ही जुट जाएंगे और समय-समय पर अपने अध्यापकों से अपनी शंकाओं का समाधान करते जाएंगे, तो आप बड़ी आसानी से एग्जाम की वैतरणी पार कर सकते हैं। शिक्षाविद् और आईआईटी, मुंबई से शिक्षित डॉक्टर सलीम शीशावाला कोलंबिया यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर हैं। उन्होंने कुछ समय पहले यूनिवर्सिटी में अपने प्रजेंटेशन के दौरान कहा था--अब वक्त आ गया है कि छात्रों को अपने बने-बनाए ढर्रे से बाहर निकल कर नया सोचना चाहिए। वे सिर्फ मैथ्स, साइंस, इकोनॉमिक्स, लेंग्वेज और कॉमर्स के बारे में ना सोचें, बल्कि यह देखें कि वे आज जो पढ़ रहे हैं और कॉलेज में पढ़ना चाहते हैं, क्या वे उसी क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं? डॉक्टर सलीम ने कई मोटिवेशनल किताबें भी लिखी हैं। इंजीनियरिंग करने के बाद उन्होंने कुछ समय एक कारखाने में काम किया था। वहीं जा कर उन्हें लगा कि छात्र जीवन में उन्हें मशीनों से प्यार करना नहीं सिखाया गया और उन्हें इस बात का अहसास हुआ कि नौकरी और शिक्षा में कितना ज्यादा फासला है।

बारहवीं की परीक्षा और उसका परिणाम आपकी जिंदगी को, भविष्य को और करियर को एक दिशा देता है। यह वक्त है अपनी समझ और काबिलियत के हिसाब से परीक्षाओं की तैयारी में पूरी तरह जुट जाने का। बारहवीं के बाद कॉलेज की पढ़ाई बहुत-कुछ आपके बोर्ड परीक्षाओं के नंबरों पर निर्भर करती है। अगर आप अब तक अपनी पढ़ाई को ले कर गंभीर नहीं हुए हैं, तो अब हो जाएं। बोर्ड एग्जाम तक हर सप्ताह नई दिशाएं आपको विभिन्न विषयों की तैयारी के अलावा परीक्षा से जुड़ी दूसरी तमाम बातों को लेकर आपकी शंकाओं को दूर करेगी।

जेनेटिक इंजीनियरिंग में करियर की संभावनाएं

जेनेटिक इंजीनियरिंग में एम-टेक या जेनेटिक्स में एमएससी की प्रवेश परीक्षा में बैठने के लिए छात्र को लाइफ साइंस, इंजीनियरिंग, एमबीबीएस या बीडीएस जैसे विषयों में 55 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातक होना चाहिए। कई विश्वविद्यालयों में जेनेटिक इंजीनियरिंग एमएससी इन बायोटेक्नोलॉजी में स्पेशलाइजेशन के तौर पर कराई जाती है, जिसमें पुणे यूनिवर्सिटी, दिल्ली यूनिवर्सिटी, मदुरै कामराज यूनिवर्सिटी, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी शामिल हैं। दिल्ली की जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी दो सालों के एमएससी बायोटेक्नोलॉजी कोर्स के लिए कंबाइंड एंट्रेस टेस्ट लेती है।

जेनेटिक इंजीनियरिंग मेडिकल क्षेत्र से काफी हद तक जुड़ी है, इसलिए छात्रों के लिए मानव स्वास्थ्य को समझना भी बेहद जरूरी हो जाता है। बारहवीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री या बायोलॉजी से उत्तीर्ण छात्र लाइफ साइंस या बायोटेक्नोलॉजी से बीएससी करके मास्टर्स लेवल में विषय के रूप में जेनेटिक्स चुन सकते हैं।

गावों के विकास में हाथ बंटाकर

बनाएं कॅरियर

भारत में विश्व बैंक की विभिन्न परियोजनाएं भी खासतौर पर गांवों के लिए चालू की गई हैं। इसके अलावा गैर सरकारी संगठनों ने भी गांव में काम करना शुरू कर दिया है। ऐसे में ग्रामीण विकास डिप्लोमा एक बेहतर कॅरियर के रूप में उभरा है।

आजकल राज्य सरकारें ही नहीं भारत सरकार भी ग्रामीण विकास पर पूरा ध्यान दे रही है। भारत में विश्व बैंक की विभिन्न परियोजनाएं भी खासतौर पर गांवों के लिए चालू की गई हैं। इसके अलावा गैर सरकारी संगठनों ने भी गांव में काम करना शुरू कर दिया है। ऐसे में ग्रामीण विकास डिप्लोमा एक बेहतर कॅरियर के रूप में उभरा है। खास बात ये है कि यह पाठ्यक्रम दूरस्थ पद्धति द्वारा संचालित किया जाता है। ग्रामीण विकास डिप्लोमा पाठ्यक्रम में दाखिला लेने के लिए उम्मीदवार का स्नातक होना अनिवार्य है।

लेकिन उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने बारहवीं कक्षा में भी इसे मान्यता दी है। वहीं अन्नामलाई विश्वविद्यालय ने स्नातक के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र में दो वर्ष का कार्य अनुभव भी दाखिले के वक्त अनिवार्य तौर पर रखा है।

ग्रामीण विकास में डिप्लोमा पाठ्यक्रम की अवधि एक वर्ष की है लेकिन उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में एक से तीन वर्ष तक का पाठ्यक्रम है। पाठ्यक्रम का माध्यम केवल हिन्दी और अंग्रेजी ही हैं। इन संस्थानों से ग्रामीण विकास डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण लिया जा सकता है-

- कर्नाटक स्टेट मुक्त विश्वविद्यालय, मनसागंगोत्री, मैसूर- 570006
- अन्नामलाई विश्वविद्यालय, डायरेक्टरेट ऑफ डिस्टेन्स एजुकेशन, अन्नामलाई नगर- 608002
- ककातीय विश्वविद्यालय, स्कूल ऑफ डिस्टेन्स लर्निंग एंड कंटीन्यूईग एजुकेशन, वारंगल- 506009
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-110068
- सेंटर फॉर डिस्टेंस एजुकेशन, एमवीपुरम, अनन्तपुर-515003

फॉरेंसिक साइंस तहकीकात की कला

अपराध की गुत्थियां सुलझाने में फॉरेंसिक साइंस काफी मददगार साबित होती है। इसकी पढ़ाई के बाद देश ही नहीं, विदेश में भी रोजगार के अवसर मिलते हैं।

फॉरेंसिक साइंस एक ऐसा विज्ञान है, जिसमें अपराधों की जांच-पड़ताल में वैज्ञानिक सिद्धांतों का इस्तेमाल किया जाता है। फॉरेंसिक साइंटिस्ट मौके पर जाकर कई तरह के क्लू जैसे फिंगर प्रिंट, ब्लड सैंपल व साक्ष्य आदि जुटाते हैं। अन्य कई तरह की जांच में भी इनका अहम योगदान रहता है। फॉरेंसिक साइंटिस्ट से इनपुट लेकर ही इनवेस्टिगेटिंग ऑफिसर अदालत के समक्ष हाजिर होता है। इसके अंतर्गत घटनास्थल से लेकर केस से जुड़े एक-एक तथ्य को बारीकी से जांचा जाता है।

कोर्स से जुड़ी जानकारी

फॉरेंसिक साइंस को लेकर आजकल तीन तरह के कोर्स संचालित हो रहे हैं। पहला सर्टिफिकेट कोर्स है, जिसमें फॉरेंसिक साइंस के विभिन्न पहलुओं के बारे में प्रारम्भिक स्तर का ज्ञान दिया जाता है। साथ ही भौतिकी, केमिस्ट्री, टैक्सिकोलॉजी, एंथ्रोपोलॉजी, मनोविज्ञान व मेडिसिन के बारे में जानकारी दी जाती है। दूसरा कोर्स स्नातक स्तर का बीएससी इन फॉरेंसिक साइंस होता है। तीन वर्षीय इस कोर्स में विभिन्न बिन्दुओं के अलावा सर्टिफिकेट अथवा डिप्लोमा में पढ़ाए विषयों को विस्तार के साथ बताया जाता है। इसमें थ्योरी व प्रेक्टिकल दोनों समान रूप से चलते हैं। पीजी लेवल पर पहले सेमेस्टर में क्रिमिनल लॉ, क्राइम सीन मैनेजमेंट, स्केचिंग सहित कई महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर प्रकाश डाला जाता है, जबकि दूसरे सेमेस्टर में हैंडराइटिंग परीक्षण के अलावा सेरोलॉजी, एंथ्रोपोलॉजी आदि पर ज्ञान बढ़ाया जाता है।

इस रूप में मिलेगा काम

फॉरेंसिक साइंस का कोर्स करने के पश्चात निम्न रूप में अवसर सामने आते हैं-

फॉरेंसिक पैथोलॉजिस्ट- इससे संबंधित प्रोफेशनल्स मर्डर अथवा संदेहात्मक परिस्थितियों में हुई मौत के समय का आकलन करते हैं।

फॉरेंसिक एंथ्रोपोलॉजिस्ट- एंथ्रोपोलॉजी में पीएचडी अथवा फॉरेंसिक साइंस में उच्च योग्यता हासिल करने के पश्चात फॉरेंसिक एंथ्रोपोलॉजिस्ट के रूप में काम किया जा सकता है। ये किसी बड़े हादसे जैसे अग्निकाण्ड, प्लेन क्रैश होने, विस्फोट आदि में मृत लोगों की पहचान अथवा उनके बारे में विवरण जुटाते हैं।

फॉरेंसिंक साइकोलॉजिस्ट- साइकोलॉजी में स्नातक अथवा मास्टर डिग्री हासिल करने वाले छात्र फॉरेंसिक साइकोलॉजिस्ट का काम कर सकते हैं। ये किसी भी मामले से संबंधित फैक्ट जुटाने का काम करते हैं।

क्लीनिकल फॉरेंसिक मेडिसिन एक्सपर्ट- मेडिकल के क्षेत्र में डिग्री अथवा पीजी डिप्लोमा करने वाले छात्र यह काम कर सकते हैं। ये किसी भी हादसे में घायल लोगों का उपचार करते हैं।

फॉरेंसिक सोरोलॉजी एक्सपर्ट- इनका काम किसी व्यक्ति के ब्लड ग्रुप, डीएनए टेस्ट आदि से संबंधित होता है। ये उसका आकलन करने से लेकर पहचान तक का कार्य करते हैं।

फॉरेंसिक केमिस्ट- वे छात्र, जिनके पास साइंस की डिग्री हो और जिन्होंने फॉरेंसिक केमिस्ट्री में स्पेशलाइजेशन किया हो, वे फॉरेंसिक केमिस्ट के रूप में जॉब कर सकते हैं। इनका कार्य संदेहात्मक परिस्थितियों में ड्रग आदि की जांच करने से संबंधित होता है।

लैंग्वेज एक्सपर्ट/टैक्सिकोलॉजिस्ट- ये किसी कोड अथवा विदेशी भाषा से जुड़ा संशय दूर करते हैं। कई बार अपराधी ऐसी कोड भाषा का प्रयोग करते हैं, जिसे सामान्य आदमी नहीं समझ पाता। लैंग्वेज एक्सपर्ट उसे सुलझाने अथवा समझने में मदद करते हैं। टैक्सिकोलॉजिस्ट के रूप में केमिस्ट्री अथवा बायोकेमिस्ट्री स्ट्रीम के छात्र पुलिस को सहायता पहुंचाते हैं।

शैक्षिक योग्यता

फॉरेंसिक साइंस से संबंधित ज्यादातर कोर्स स्नातक एवं परास्नातक लेवल के हैं। इसके लिए वही छात्र आवेदन कर सकते हैं, जिन्होंने विज्ञान विषय के साथ 10+2 किया हो, जबकि एमएससी एवं पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए बीएससी होना जरूरी है। मास्टर डिग्री हासिल करने के बाद एमफिल एवं पीएचडी कोर्स में दाखिला मिलता है।

आवश्यक स्किल्स

एक फॉरेंसिक एक्सपर्ट को आंख व कान दोनों खुले रखने होते हैं। सामाजिक परिवेश व तथ्यों का खेल होने के कारण इसमें मनोविज्ञान की समझ आवश्यक है। इसके लिए एनालिटिकल स्किल्स व साइकेट्रिस्ट का गुण भी काफी काम आता है। खोजी मानसिकता, धर्यवान तथा साहसिक गुण वाले युवा इसमें काफी तरक्की करते हैं।

सेलरी

युवाओं के लिए फॉरेंसिक साइंस उच्च सेलरी वाला आकर्षक प्रोफेशन है। सरकारी विभागों में सेलरी काफी कुछ पे स्केल पर निर्भर करती है, जबकि प्राइवेट जॉब में यह काम के स्वरूप एवं कंपनी पर आधारित होता है। आमतौर पर फॉरेंसिक एक्सपर्ट के रूप में जॉब ज्वॉइन करने पर 25-30 हजार रुपए प्रतिमाह आसानी से मिल जाते हैं। अनुभव व जिम्मेदारी बढ़ने पर सेलरी भी बढ़ती जाती है।

एजुकेशन लोन/स्कॉलरशिप

फॉरेंसिक साइंस का कोर्स करने के लिए कई तरह की स्कॉलरशिप अथवा एजुकेशन लोन दिए जाते हैं। देश-विदेश में अध्ययन के लिए एजुकेशन लोन की राशि व प्रावधान बैंक पर निर्भर करता है, जबकि अधिकांश स्कॉलरशिप मेरिट के आधार पर मिलती हैं।

फीस व खर्च

भारत में फॉरेंसिक साइंस का स्पेशलाइज कोर्स करने के लिए करीब 2-3 लाख रुपए का खर्च आता है। कई बार फीस की राशि संस्थान की रेटिंग पर निर्भर करती है। हालांकि केंद्रीय विश्वविद्यालयों द्वारा ली जाने वाली फीस की राशि काफी कम होती है। आरक्षित समूह में आने वाले छात्रों को फीस के रूप में भारी छूट मिलती है।

रोजगार की संभावनाएं

यह ऐसा प्रोफेशन है, जिसमें समय के साथ डिमांड बढ़ती जा रही है। इसमें केंद्र व राज्य दोनों ही स्तरों पर अवसर मिलता है। सरकारी जांच एजेंसियों के अलावा प्राइवेट एजेंसी भी काम दे रही हैं। विवि व अन्य संस्थानों में टीचिंग का चलन भी बढ़ा है। कुछ क्षेत्र निम्न हैं- सीबीआई व आईबी, सरकारी अपराध प्रयोगशाला, निजी चैनल, पुलिस प्रशासन के प्रमुख विभाग, न्यायिक एजेंसी, भारतीय सेना, प्राइवेट डिटेक्टिव कंपनी, रिसर्च एनालिसिस विंग और फीलांसिंग।

विदेशों में भी अवसर

देश के साथ विदेश में भी रोजगार के पर्याप्त अवसर मिलते हैं। अमेरिका सहित अन्य कई विकसित देश भारी संख्या में फॉरेंसिक एक्सपट्स की डिमांड करते हैं। विदेश में ज्यादातर संभावनाएं मेडिकल एग्जामिनर, क्राइम लेबोरेटरी एनालिस्ट, क्राइम स्कैन एग्जामिनर, फॉरेंसिक इंजीनियर व लैंग्वेज एक्सपर्ट के रूप में मिलती हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विरोधी खिलाड़ी के चेहरे पर थूकने के लिए थुरम पर पांच मैचों का प्रतिबंध

बर्लिन । बोरूसिया मोनशेनग्लाबाख के स्ट्राइकर मार्कस थुरम पर बुंदेसलीगा फुटबॉल टूर्नामेंट के मैच के दौरान होफेनहीम टीम के खिलाड़ी के चेहरे पर थूकने के लिए पांच मैचों का प्रतिबंध लगाया गया है। जर्मन फुटबॉल महासंघ ने सोमवार को कहा कि यह प्रतिबंध जर्मन कप और बुंदेसलीगा में लागू होगा। थुरम पर एक मैच का निलंबित प्रतिबंध भी रहेगा जो 21 दिसंबर 2021 तक अच्छे बर्ताव की शर्त पर निर्भर करेगा। टैकल को लेकर बहस के बाद थुरम ने डिफेंडर स्टीफन पोश के चेहरे पर थूक दिया था। रैफरी फ्रेंक विलेनबर्ग ने वीडियो देखने के बाद थुरम को मैदान से बाहर भेज दिया और पोश को पीला कार्ड दिखाया। होफेनहीम ने शनिवार को हुआ यह मुकाबला 2-1 से जीता। महासंघ ने सोमवार को थुरम पर 40 हजार यूरो (50 हजार डॉलर) का जुर्माना भी लगाया। बोरूसिया की टीम पहले ही फ्रांस के थुरम पर एक महीने के वेतन का जुर्माना लगा चुकी है जिसे सामाजिक कार्यों के लिए दान किया जाएगा।

आईएसएल-7 : जीत के लिए बेताब गोवा का सामना आत्मविश्वास से लवरेज जमशेदपुर से

आईएसएल-7 ।

जीत के लिए बेताब गोवा का सामना आत्मविश्वास से लवरेज जमशेदपुर से (लीड-1)वास्को (गोवा), 22 दिसम्बर (आईएएनएस)। वॉस्को के तिलक मैदान पर बुधवार को जमशेदपुर एफसी का सामना एफसी गोवा से होगा और एक तरफ जहां जमशेदपुर की टीम अपने छह मैच की अजेय स्थिति को बरकरार रखना चाहेगी वहीं गोवा हर हाल में तीन अंक हासिल करना चाहेगी। चेन्नइयन एफसी के हाथों पहले मैच में मिली हार के बाद ओवेन कोयले की टीम ने शानदार इच्छाशक्ति दिखाते हुए बीते छह मैच से खुद को अजेय रखा है। बीते तीन मैचों में इस टीम ने सिर्फ एक गोल खाया है और दो क्लीन शीट हासिल किए हैं। कोच कोयले अपनी टीम के अब तक के प्रदर्शन से खुश हैं। कोयले ने कहा, हर मैच के साथ मेरे लड़के मजबूत होते जा रहे हैं। हमने उन क्षेत्रों पर फोकस किया है, जहां हमें सुधार की जरूरत थी। लड़कों ने इसमें हमारा साथ दिया है और अगर आपके पास अगर ऐसे लड़के हों तो आप अच्छा परिणाम हासिल कर सकते हैं। यह मैच दो ऐसे खिलाड़ियों के बीच की भिड़ंत का गवाह बनेगा, जिन्होंने मौजूदा सीजन में सबसे अधिक गोल किए हैं। इगोर एंगुलो और नेरीजुस वाल्सकिस। इन दोनों के नाम 6-6 गोल हैं। दोनों अपने टीमों के लिए काफी अहम रहे हैं। दोनों ने अपनी टीमों के कुल लोगों के 75 फीसदी गोल किए हैं और ये दोनों टीमें इन खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर निर्भर करेंगी। जमशेदपुर के लिए कुछ खिलाड़ियों का चोटिल होना चिंता की बात है लेकिन इस टीम को खुशी है कि अइतोर मोनरॉय वापसी कर रहे हैं। मोनरॉय एक मैच के लिए निलंबित थे। कोयले ने कहा कि उनकी टीम इस मैच के लिए पूरी तरह तैयार हैं। स्कॉटिश कोच ने कहा कि उनकी टीम को गोवा के खिलाफ मैच की शुरुआत से ही अपना श्रेष्ठ देना होगा क्योंकि इस टीम के पास कुछ बेहद प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और ये समस्या खड़ी कर सकते हैं। ऐसे में टीम को इन खिलाड़ियों से निपटते हुए गोवा के लिए समस्या खड़ी करनी होगी। इस बीच, गोवा की टीम अपने डिफेंस के साथ अब तक संघर्ष करती नजर आई है। इस टीम का डिफेंस उसकी कमजोरी बनकर उभरा है। बीते दो मैचों में इस टीम ने 29 शॉट्स का सामना किया है, जिनमें से 10 टारगेट पर थे। चिंता की बात यह है कि यह टीम लगातार दो मैच हार चुकी है।

कोच जुआन फेरांडो की नजर हालांकि भविष्य पर है। वह पीछे मुड़कर नहीं देखते। कोच ने कहा, हमारे लिए आज ज्यादा अहम है और वह जमशेदपुर है। हां मैं दुखी हूं लेकिन मैं बीते को नहीं बदल सकता। हमारी तैयारी अपनी रणनीति पर बने रहने की है और इसे हम कल तक के लि राज रखना चाहते हैं।

फीडे विश्व ऑनलाइन यूथ शतरंज - भारत के निहाल ,गुकेश और रक्षिता फाइनल मे

नई दिल्ली (निकलेश जैन)

फीडे विश्व ऑनलाइन कैडेट और यूथ शतरंज में भारत के तीन खिलाड़ी निहाल सरीन , गुकेश डी और रक्षिता रवि सेमी फाइनल की चुनौती को पार करते हुए क्रमशः अंडर 18 , अंडर 14 और अंडर 16 बालिका के फाइनल मे पहुँच गए है और साथ ही भारत के 3 पदक इस प्रतियोगिता में तय कर दिये है अब उसका रंग स्वर्ण का होगा या चाँदी उस पर निगाहे रहेंगी । वैसे अंडर 10 वर्ग में जरूर भारत के मृणमोय हारे पर अभी उनके पास तीसरे स्थान पर आकर कांस्य जीतने का मौका है । सबसे पहले बात करते हुए भारत की जूनियर सनसनी निहाल सरीन की जिन्होने आज अपने खेल जीवन के सबसे बेहतरीन मुकाबलों मे से एक मुक़ाबला खेलते हुए इटली के सोनिस फ्रांसिस्को को दो घोड़े के बलिदान

देकर शानदार जीत दर्ज की और पहला मैच ड्रॉ रहने के बाद दो मैच के सेमी फाइनल मे 1.5-0.5 से जीत दर्ज करते हुए फाइनल मे प्रवेश किया । वही दुनिया के दूसरे सबसे कम उम्र के और भारत के सबसे कम उम्र के ग्रांड मास्टर बनने वाले गुकेश नें बेलारूस के लाजविक डेनिस के खिलाफ शानदार जीत से शुरुआत की पर दूसरे मैच में उन्हे हार का सामना करना पड़ा पर गुकेश ने इसके बाद अरमागोदेन में काले मोहरो से खेलते हुए बेहतरीन ड्रॉ निकाला ओर फाइनल का रास्ता बना लिया प्रतियोगिता मे बालिका वर्ग मे भारत को गौरन्वित कर रही रक्षिता रवि नें रूस की महिला ग्रांड मास्टर गरिफुलिना को 1.5-0.5 से पराजित करते हुए सीधे फाइनल में प्रवेश कर लिया । अब फ़ाइनल मुक़ाबले निहाल सरीन अर्मेनिया के शांत सरगस्यन से , गुकेश डी रूस के मुरजिन वोलोदर से और रक्षिता रवि चीन की सोंग युकसिन से मुक़ाबला खेलेंगी ।

दर्शकों के बिना खेलना भयावह और ट्रेनिंग सत्र जैसा : मैसी

नई दिल्ली : बार्सिलोना फुटबॉल क्लब के अर्जेंटीनाई खिलाड़ी लियोनल मैसी ने कहा है कि कोरोना वायरस के कारण दर्शकों के बिना खेलना भयावह और ट्रेनिंग सत्र जैसा है। कोरोना वायरस के कारण एहितायतन करीबन सभी खेलों में स्टेडियम में दर्शकों की मौजूदगी पर प्रतिबंध लगा हुआ है और मुकाबले दर्शकों के बिना आयोजित किए जा रहे हैं। ला लीगा के पिछले सत्र में शीर्ष स्कोरर रहने पर पिचिचि अवॉर्ड मिलने के बाद बार्सिलोना के कप्तान मैसी ने कहा, 'दर्शकों के बिना खेलना भयावह है और इससे काफी अजीब लगता है। यह सच है कि ऐसे में माहौल में खेलना कठिन है और इससे प्रदर्शन पर असर पड़ता है। उन्होंने कहा, 'इस महामारी से फुटबॉल पर काफी असर पर पड़ा है और इसने खेल को बदल कर रख दिया है। आप इसे मुकाबलों में भी देख सकते हैं। मैं उम्मीद करता हूं कि यह महामारी जल्द खत्म हो तथा स्टेडियम में दर्शक वापस आएं।

सिंधू को बढ़ती यात्रा पाबंदियों के बावजूद ब्रिटेन से थाईलैंड की यात्रा करने की उम्मीद

नयी दिल्ली ।

इंग्लैंड में ट्रेनिंग कर रही विश्व चैंपियन पीवी सिंधू ने इस देश में कोविड-19 की स्थिति बदतर होने के बाद भी मंगलवार को उम्मीद जताई कि ब्रिटेन से आने वाली उड़ानों पर अन्य देशों के बढ़ते प्रतिबंध के बावजूद वह जनवरी में टूर्नामेंट के लिए थाईलैंड की यात्रा कर पाएंगी। तोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुकी सिंधू पिछले दो महीने से लंदन में ट्रेनिंग कर रही हैं और कोरोना वायरस ब्रेक के बाद उन्हें अपना पहला टूर्नामेंट थाईलैंड में खेलना है। दो सुपर 1000 प्रतियोगिताओं (12 से 17 जनवरी और 19 से 24 जनवरी) में हिस्सा लेने के लिए सिंधू को तीन जनवरी तक बैंकॉक पहुंचना होगा। सिंधू ने कहा- मैंने जनवरी के पहले हफ्ते में यात्रा की योजना बनाई है। थाईलैंड में ब्रिटेन से आने वालों के लिए यात्रा प्रतिबंध नहीं है इसलिए मैं दोहा से यात्रा कर सकती हूं। मैं खाड़ी के देशों के रास्ते थाईलैंड जाने की योजना बना रही हूं। भारत सहित दुनिया भर के कई देशों ने ब्रिटेन से आने वाली उड़ानों पर प्रतिबंध लगाया है। इंग्लैंड के कोरोना वायरस के नए और अधिक संक्रमित प्रकार को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। सिंधू अक्टूबर में लंदन गईं थी और वह ब्रिटेन के बैडमिंटन खिलाड़ियों टोबी पेंटी और राजीव ओसेफ के साथ राष्ट्रीय ट्रेनिंग केंद्र में ट्रेनिंग कर रही हैं। सिंधू ने कहा- मेरी ट्रेनिंग काफी अच्छी चल रही है। राष्ट्रीय केंद्र बंद नहीं है। इसे जैविक रूप से सुरक्षित केंद्र के रूप में चलाया जा रहा है इसलिए मैं थाईलैंड में होने वाली प्रतियोगिताओं से पहले अभ्यास कर पा रही हूं। थाईलैंड चरण के साथ अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन की वापसी होगी लेकिन देश में लोकतंत्र समर्थक विरोध अभियान का सामना करना पड़ा है और हाल में वहां कोविड-19 मामलों में भी इजाफा हुआ है। खेल मंत्रालय ने हाल में सिंधू के आग्रह को स्वीकार किया था कि जनवरी में तीन टूर्नामेंटों के लिए उनका निजी फिजियो और फिटनेस ट्रेनर उनके साथ जाए। सिंधू ने पिछली बार मार्च में आल इंग्लैंड चैंपियनशिप में हिस्सा लिया था जिसके बाद कोविड-19 महामारी के कारण सभी प्रतियोगिताएं रद्द या स्थगित कर दी गईं। अक्टूबर में सिंधू डेनमार्क ओपन से हट गईं थी जो मार्च से आयोजित होने वाले दो टूर्नामेंटों में से एक था। इसके अलावा जर्मनी में सारलोरलक्स ओपन सुपर 100 टूर्नामेंट का आयोजन किया है।

संक्षिप्त समाचार

लि मान्स 24 घंटे की रेस में 'रेसिंग टीम इंडिया' का प्रतिनिधित्व करेंगे कार्तिकेयन, मैनी और नवीन

मुंबई = नारायण कार्तिकेयन, अर्जुन मैनी और नवीन राव अगले साल फरवरी में अबुधाबी में होने वाली एशियाई लि मान्स सीरिज रेस 2021 में 'रेसिंग टीम इंडिया' का प्रतिनिधित्व करेंगे। 24 घंटे की इस प्रतिष्ठित रेस में यह पहली बार है जब किसी टीम के तीनों चालक भारतीय हैं। यहां जारी मीडिया विज्ञप्ति के मुताबिक एशियाई लि मान्स सीरिज का आयोजन पांच एवं छह फरवरी और 19 एवं 20 फरवरी को अबुधाबी के यास मरिना सर्किट में होगा। भारतीय टीम एलएमपी2 श्रेणी में ओआरईसीए 07 कार का इस्तेमाल करेगी जिसे चौम्पियनशिप जीतने वाले एलगार्वे प्रो रेसिंग टीम से तकनीकी मदद मिलेगी। भारत के पहले फार्मूला वन चालक कार्तिकेयन ने कहा- मैं पिछले कुछ वर्षों से लि मान्स में भाग लेने के बारे में सोच रहा था। रेसिंग ड्राइवर के तौर पर यह मेरे करियर में सबसे रोमांचक परियोजनों में से एक है। उन्होंने कहा- हमारे पास युवा और नयी टीम है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह हमारे लिए एक बड़ी परीक्षा की तरह है लेकिन मैं अच्छा प्रदर्शन करने के लिए आश्वस्त हूं। अंतरराष्ट्रीय ऑटोमोबाइल्स महासंघ (एफआईए) विश्व मोटर स्पोर्ट्स समिति के सदस्य और खुद रेसिंग चालक रहे गौतम सिंघानिया रेसिंग टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व करेंगे। बेंगलुरु के मैनी को 2020 यूरोपीय लि मान्स सीरिज में भाग लेने का अनुभव है तो वहीं नवीन इसमें पहली बार भाग लेंगे।

दूसरे टेस्ट के लिए फिट होने की उम्मीद कर रहे हैं स्मिथ

एडिलेड। आस्ट्रेलिया के टॉप ऑर्डर बल्लेबाज स्टीवन स्मिथ ने कहा है कि उन्हें आशा है कि वह भारत के साथ 26 दिसम्बर से मेलबर्न में होने वाले दूसरे टेस्ट मैच से पहले फिट हो जाएंगे। स्मिथ अबी पीठ के दर्द से परेशान हैं और उनके मुताबिक एक समय उन्हें ऐसा लग रहा था कि वह एडिलेड में आयोजित पहले टेस्ट में भी नहीं खेल पाएंगे। स्मिथ ने मंगलवार को यहां संवाददाताओं से कहा, मैं सही अर्थों में इस स्थिति में ज्यादा दिन नहीं रह सकता। मैं जब खड़ा होता हूं और मूवमेंट कर रहा होता हूं तो दर्द नहीं होता लेकिन जब बैठता हूं तो दर्द महसूस होता है। मुझे यकीन है कि मैं दूसरे टेस्ट के लिए फिट हो जाउंगा। मेलबर्न में स्मिथ का औसत शानदार रहा है। यहां इन्होंने 63 के औसत से रन बनाए हैं। इसी कारण स्मिथ हर हाल में मेलबर्न टेस्ट में खेलना चाहते हैं और इसके लिए वह काफी मेहनत कर रहे हैं। भारत और आस्ट्रेलिया के बीच जारी चार मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला मेलबर्न में 26 दिसम्बर से खेला जाएगा। एडिलेड में खेला गया दिन-रात का टेस्ट भारत हार चुका है और अभी सीरीज में 0-1 से पीछे चल रहा है।

मोटर रेसिंग : एशियन ले मैंस सीरीज में हिस्सा लेगी भारतीय टीम

मोटर रेसिंग।

एशियन ले मैंस सीरीज में हिस्सा लेगी भारतीय टीम (लीड-1)मोटर रेसिंग = एशियन ले मैंस सीरीज में हिस्सा लेगी भारतीय टीम (लीड-1)मोटर रेसिंग = एशियन ले मैंस सीरीज में हिस्सा लेगी भारतीय टीम (लीड-1)मुम्बई, 22 दिसम्बर (आईएएनएस)। भारत के पहले फार्मूला-1 ड्राइवर नारायण कार्तिकेयन, अर्जुन मैनी और नवीन राव को लेकर बनी रेसिंग टीम इंडिया अगले साल फरवरी में होने वाली 2021 एशियन ले मैंस सीरीज में हिस्सा लेगी। इस टीम का गठन अगले साल ही फ्रांस में होने वाले 24 आवर्स ले मैंस आयोजन को ध्यान मे रखते हुए किया गया है।

टीम द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक रेसिंग टीम इंडिया वैश्विक स्तर पर होने वाली इस इंड्योरेंस रेस में हिस्सा लेने वाली पहली ऑल इंडियन टीम होगी और इस लिहाज से यह एक नया कीर्तिमान स्थापित करेगी। एशियन ले मैंस सीरीज का आयोजन 5-6 फरवरी और 19-20 फरवरी को अबू धाबी के यास मैरिना सर्किट पर होगा। इसके तहत दो रेस वीकेंड के दौरान चार रेसों का आयोजन होगा। हर रेस चार घंटे की होगी। भारतीय टीम एलएमपी2 कटेगरी में ओरेका 07 कार की सवारी करेगी। इस टीम को टेक्नीकल सपोर्ट चैम्पियनशिप जीतने वाली अलग्रेव प्रो रेसिंग टीम से मिलेगा। पद्मश्री अवार्डी और भारत के पहले फार्मूला वन चालक नारायण ले मैंस में एक बार फिर कार चलाने की सम्भावना को लेकर उत्साहित दिखे। नारायण ने कहा, मैं बीते कुछ सालों से ले मैंस पर वापस जाने का सपना देख रहा था। यह मेरे रेसिंग करियर का सम्भवत= सबसे रोमांचक प्रोजेक्ट है। हमारी टीम युवा और प्रतिभाशाली है और इसमें कोई शक नहीं कि हमारी कड़ी परीक्षा होगी लेकिन मैं अच्छा करने को लेकर आश्वस्त हूं। फेडरेशन ऑफ इंटरनेशनल दे ऑटोमोबाइल (एफआईए) वर्ल्ड मोटर स्पोर्ट काउंसिल के सदस्य गौतम सिंघानिया, जो कि खुद भी एक माहिर चालक हैं, रेसिंग टीम इंडिया की अगुवाई करेंगे।इंड्योरेंस रेसिंग में बेंगलोर के निवासी अर्जुन मैनी का अनुभव भारतीय टीम के लिए काफी उपयोगी साबित होगा। वह अलग्रेब प्रो रेसिंग टीम के लिए 2020 यूरोपीयन ले मैंस सीरीज (ईएलएमएस) में शिरकत कर चुके हैं। अर्जुन मैनी अच्छी तरह जानते हैं कि इस तरह के आयोजन में क्या करना होता है और इसमें फोकस एरिया क्या होना चाहिए। अर्जुन ने कहा, 2020 यूरोपीयन ले मैंस सीजन के तुरंत बाद रेसिंग में वापसी करके मैं खुश हूं। मैं मानता हूं कि अलग्रेव प्रो रेसिंग टीम, जो कि एशियन ले मैंस सीरीज की डिफेंडिंग चैम्पियन है.

भारतीय फुटबॉलरों की अगली पीढ़ी को प्रेरित करना लक्ष्य : आशालता

नई दिल्ली। भारतीय महिला फुटबाल टीम की कप्तान आशालता देवी के पास 2022 में घरेलू दर्शकों के सामने एएफसी एशियन महिला कप में खेलने का मौका होगा। आशालता अब देश में महिला फुटबालरों की अगली पीढ़ी को प्रेरित करना चाहती हैं। एआईएफएफ ने आशालता के हवाले से कहा, इतने बड़े मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान होगा। पूरी टीम इसे लेकर उत्साहित है और हम इसके लिए वास्तव में अच्छी तैयारी कर रहे हैं। हमने देखा कि 2017 में अंडर-17 विश्व कप में टीम को किस तरह का समर्थन मिला। हम उसी समर्थन को पाने की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि अगले साल हम जिन दो टूर्नामेंटों-एएफसी महिला एशियाई कप 2022 और फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप 2022 की मेजबानी कर रहे हैं, उससे नई लड़कियां फुटबॉल में आने के लिए प्रेरित होंगी। जब वे हमें दर्शकों से भरे स्टेडियमों में अपने सामने खेलते हुए देखेंगे, तो यह निश्चित रूप से उन्हें प्रेरित करेगा। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने 2027 में होने वाले एएफसी एशियन कप की मेजबानी हासिल करने के लिए आधिकारिक रूप से अपनी दावेदारी पेश करने की बुधवार को घोषणा थी। भारत सहित कुल पांच देशों ने एशिया के सबसे बड़े फुटबॉल टूर्नामेंट की मेजबानी हासिल करने के लिए बोली लगाई है। एएफसी एशियन कप 2027 की मेजबानी हासिल करने वाले देश की घोषणा 2021 में की जाएगी। आशालता ने कहा, हमारे पास बुनियादी ढांचा है और हम कुछ बड़े टूर्नामेंटों की भी मेजबानी कर चुके हैं। यह अन्य एशियाई प्रशंसकों के लिए भारत और फुटबॉल के लिए जुनून को देखने का एक बड़ा मौका होगा। मुझे उम्मीद है कि हम इसकी मेजबानी कर सकते हैं।

फिटनेस को प्राथमिकता दें भारतीय = रिजिजू

नई दिल्ली। केंद्रीय खेल मंत्री किरण रिजिजू ने मंगलवार को अपना एक फिटनेस वीडियो शेयर करते हुए भारतीयों से फिटनेस को प्राथमिकता देने की अपील की। रिजिजू ने कहा कि हर देशवासी को अपना एक फिटनेस सम्बंधी वीडियो पोस्ट करते हुए देश को पहले से अधिक फिट करने की मुहिम में शामिल होना चाहिए। रिजिजू ने ट्वीट करते हुए कहा, लाखों भारतीय हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन से जुड़े हैं। हमें फिट इंडिया मूवमेंट को मजबूती प्रदान करने की दिशा में काम करना चाहिए और भारत को फिट राष्ट्र बनाना चाहिए। इसके लिए रोजाना आधे घंटे फिटनेस पर देना चाहिए। भारत के फिट इंडिया मूवमेंट की हाल ही में विश्व स्वास्थय संगठन ने भी तारीफ की थी।

बास्केटबॉल : ब्लॉकबस्टर फिक्सर्स के साथ शुरू होगा एनबीए का नया सीजन

न्यूयॉर्क । नेशनल बास्केटबॉल लीग (एनबीए) का 2020-21 सीजन बुधवार को ब्लॉकबस्टर डबलहेडर के साथ शुरू होगा। ओपनिंग नाइट के पहले मुकाबले में गोल्डन स्टेट वॉरियर्स का सामना ब्रूकलिन नेट्स के साथ होगा जबकि दूसरे मुकाबले में एनबीए चैम्पियन **Los Angeles** लेकर्स का सामना इसी शहर के एलए क्लीपर्स से होना है। ओपनिंग नाइट में एनबीए के मोस्ट वैल्यूबल प्लेयर्स स्टीफन करी, केविन डुरांट और लेबॉर्न जेम्स तथा गो बार के एनबीए फाइनल्स एमवीपी खाही लियोनार्ड एक्शन में दिखेंगे। ओपनिंग नाइट करी, डुरांट और केरी इर्विन की वापसी का गवाह होगा क्योंकि ये तीनों खिलाड़ी पहले दिन अपने फन से लोगों का दिल जीतते हुए अपनी टीमों को जीत दिलाना चाहेंगे। डुरांट 18 महीनों (प्री सीजन के अलावा) बाद अपना पहला मैच खेलेंगे। डुरांट नेट के तौर पर एक ऐसी टीम के खिलाफ खेलते दिखेंगे जिसके साथ वह दो एनबीए चैम्पियनशिप और दो एनबीए फाइनल्स एमवीपी अवार्ड जीत चुके हैं। डुरांट ने कहा, मैंने अब तक जितने ड्रिल किए हैं, मैं अपनी पूरी मेहनत से कर रहा हूं। मैं लीग में बीते 14 साल से हूं। अगर मुझे एकहिल्स नहीं होता तो भी मैं 100 फीसदी फिट नहीं होता लेकिन मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं। 2019-20 सीजन में वेस्टर्न कॉन्फ्रेंस में अंतिम स्थान पाने वाले वॉरियर्स को आशा है कि करी और ड्रायमंड ग्रीन उसे नई शुरुआत दिलाएंगे। साथ ही टीम को सेकेंड ओवरऑल ड्राफ्ट पिक जेम्स वाइसमैन और केली ओब्रे जूनियर से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है जो कि तीन बार के ऑल स्टार ग्रीन और पूर्व नम्बर-1 ओवरऑल ड्राफ्ट पिक एंड्रयू विगिंस के साथ खेलते नजर आएंगे। 2021-21 एनबीए सीजन को काफी आशाभरी नजरों से देख रहे करी ने कहा ने कहा, मैं कभी भी इतने लम्बे समय तक नहीं खेला। हमें यह देखना होगा कि हम क्रिसमस के लिए मिलवाउकी में क्या कर सकते हैं। लेकिन इसके अलावा दोबारा बास्केटबॉल खेलना एक शानदार अनुभव होगा। मैं रोमांचित हूं। दूसरी ओर, ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में बीते सीजन में सातवां स्थान हासिल करने वाले नेट्स को आशा है कि वह 10 बार के ऑल स्टार डुरंट और छह बार के ऑल स्टार इर्विन की वापसी से एक बड़ा कदम आगे बढ़ाएगा। ब्रूकलिन नेट्स को आशा है कि वह नए मुख्य कोच स्टीव नैश की देखरेख में जारेट एलेन, स्पेंसर डिनविड्डी, कारिस लेवेर्ट और जोए हैरिस ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस के लिए अच्छा प्रदर्शन करेंगे। जहां तक लेकर्स और क्लीपर्स की बात है तो बीते सीजन में वेस्टर्न कॉन्फ्रेंस की दो टॉप सीड टीमों ने अपनी प्रतिद्वंद्विता में नया अध्याय जोड़ा है।

नेपियर टी20 : रिजवान और पेसर्स के दम पर जीता पाकिस्तान

नेपियर। विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान (89) की शानदार अर्धशतकीय पारी और उससे पहले तेज गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर पाकिस्तान ने यहां मैक्लीन पार्क मैदान पर मंगलवार को खेले गए तीसरे टी20 मुकाबले में न्यूजीलैंड को चार विकेट से हरा दिया। पाकिस्तान ने जीत के लिए जरूरी 174 रन 19.4 ओवरों में छह विकेट के नुकसान पर बना लिए। रिजवान ने 59 गेंदों पर 10 चौके और तीन छक्के लगाए। उनके अलावा मोहम्मद हफीज ने 29 गेंदों पर तीन छक्कों और दो चौकों की मदद से 41 रनों की पारी खेली। इफ्तिखार अहमद 14 रन बनाकर नाबाद लौटे। हैदर अली ने 11 और खुशदिल शाह ने 14 रन बनाए। न्यूजीलैंड की ओर से टिम साउदी और स्कॉट कुगेलिन ने दो-दो विकेट लिए। इससे पहले, पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए कीवी टीम को 20 ओवरों में सात विकेट पर 173 रनों पर सीमित कर दिया। कीवी टीम की ओर से विकेटकीपर बल्लेबाज टिम शीफर्ट ने 35, डेवॉन कॉनवे ने 45 गेंदों पर सात चौकों और एक छक्के की मदद से 63 तथा ग्लेन फिलिप्स ने 20 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 31 रन बनाए।पाकिस्तान की ओर से फहीम अशरफ ने चार ओवरों में 20 रन खर्च करते हुए तीन सफलता हासिल की जबकि शाहीन अफरीदी और हैरिस रौफ ने दो-दो विकेट लिए। कीवी टीम ने तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली है। अब दोनों टीमों के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी, जिसकी शुरुआत माउंट माउंगानुई के बे ओवल मैदान पर शनिवार को होगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यूपी पंचायत चुनाव

पांच मिनट में ही खत्म हो गईं पांच जिंदगियां

आगरा। बचाओ-बचाओ, प्लीज हमें बचाओ...यमुना एक्सप्रेस वे पर अचानक जल उठी कार में फंसे लोगों की इन चीखों से पूरा इलाका दहल गया। मदद में कुछ हाथ आगे बढ़े लेकिन कार से धधकती आग ने उन्हें रुक जाने पर मजबूर कर दिया। लोग बेबस होकर अपनी जगह पर ठिठक गए और आंखों के सामने पांच लोगों को जिंदा जलते देखते रहे। देखते ही देखते कार में फंसी पांच जिंदगियां खत्म हो गईं। चीखें शांत पड़ गईं लेकिन जिनके सामने ये सब कुछ हुआ उन्हें अब शायद इस पल कुछ न कर पाने का अफसोस उम्र भर रहेगा।

मंगलवार तड़के यमुना एक्सप्रेस-वे पर एक टैंकर से टक्कर के बाद कार में आग लग गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक यह टैंकर गलत साइड से आ रहा था। कार में बड़े और बच्चे मिलाकर कुल पांच लोग सवार थे। अचानक आग का गोला बनी कार से किसी को भी बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। हादसे के वक्त उधर से गुजर रहे कुछ वाहन वहां रुके। लोगों ने अपनी गाड़ियों से उतरकर कार में फंसे लोगों की मदद करनी चाही लेकिन आग की लपटों के आगे कोई कुछ नहीं कर पाया।

हादसे के वक्त वहां मौजूद रहे एक शख्स ने बताया कि कुछ समय पहले उस कार ने उनकी कार को ओवरटेक किया था। उनकी कार, दुर्घटनाग्रस्त कार के पीछे थी। उन्होंने देखा कि गलत साइड से आ रहे टैंकर ने उनके आगे चल रही कार को टक्कर मार दी। शायद टैंकर के डीजल टैंक में लीकेज थी। इस टक्कर के तुरंत बाद कार में आग लग गई।

दिल्ली के डिप्टी CM मनीष सिसौदिया लखनऊ पहुंचे

सिद्धार्थ नाथ सिंह को दी बहस की चुनौती

लखनऊ। यूपी विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी के उतरने के ऐलान के साथ ही भाजपा और आप नेताओं के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। केजरीवाल के ऐलान के तुरंत बाद यूपी सरकार के प्रवक्ता सिद्धार्थनाथ सिंह ने यूपी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं और दिल्ली सरकार को कई मोर्चों पर फेल बताया था। अब दिल्ली सरकार के डिप्टी सीएम मनीष सिसौदिया ने लखनऊ पहुंचकर सिद्धार्थनाथ सिंह को शिक्षा और स्वास्थ्य के मुद्दे पर बहस की चुनौती दी। इस दौरान आप सांसद संजय सिंह भी मौजूद रहे।

मनीष सिसौदिया मंगलवार को लखनऊ पहुंचे। यहां एयरपोर्ट पर आप कार्यकताओं ने उनका स्वागत किया। बाद में एक प्रेस कांफ्रेंस में मनीष सिसौदिया ने कहा कि उन्हें अच्छा लग रहा है कि पहली बार यूपी की राजनीति में शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी जैसे मुद्दे उठ रहे हैं। इन मुद्दों पर बहस की बात कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले चार साल से यूपी में भाजपा की सरकार है लेकिन यूपी में लोग पूछ रहे हैं कि हमें क्या मिला। पांच साल में दिल्ली में सरकारी स्कूल अच्छे हो गए। यहां हालत खराब है।

दिल्ली में सरकारी स्कूलों के बच्चों के नतीजे 98 प्रतिशत आने लगे। यूपी में सरकारी स्कूलों के बच्चों के नतीजे 70 से 75 प्रतिशत पर अटके हुए हैं। दिल्ली में प्राइवेट स्कूलों की फीस नहीं बढ़ने दी गई। यूपी में कई गुना बढ़ गई। दिल्ली में 70 से 80 प्रतिशत लोगों को बिजली फ्री मिल रही है। यूपी में बिजली की दरें लगातार बढ़ रही हैं। दिल्ली में बिजली-पानी चौबीसों घंटे आता है। यूपी में कितनी आती है। उन्होंने आरोप लगाया कि यूपी में चार सालों में हालत बद से बदतर हो गई है। डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने जबसे यूपी से चुनाव लड़ने का ऐलान किया है तबसे यूपी सरकार बौखलाई हुई है। उन्होंने कहा कि यूपी सरकार के मंत्रियों ने

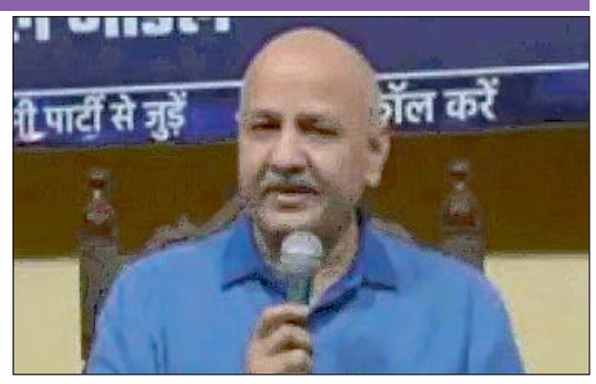

चुनौती दी है कि दिल्ली के गवर्नेंस मॉडल और यूपी के मॉडल पर वे खुली बहस के लिए तैयार हैं। सिसौदिया ने कहा कि जिस दिन सिद्धार्थनाथ सिंह जी ने यह चुनौती दी थी उसी दिन उन्होंने (सिसौदिया ने) कहा था कि मैं आपका निमंत्रण स्वीकार करता हूं। लेकिन उसके बाद आज तक सिद्धार्थनाथ सिंह ने समय और स्थान नहीं बताया। सिसौदिया ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि पिछले चार साल के दौरान यूपी सरकार ने शिक्षा, बिजली और रोजगार के क्षेत्र में जो काम किए हैं उन पर खुली बहस के लिए मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह जरूर आएंगे। मैंने उसी समय सिद्धार्थनाथ सिंह जी को कहा था कि मैं आपका निमंत्रण स्वीकार करता हूं। अभी तक उन्होंने समय और स्थान नहीं बताया है। उम्मीद है कि पिछले चार साल में यूपी सरकार ने शिक्षा, बिजली और रोजगार के लिए जो काम किए होंगे उस पर खुली बहस के लिए मंत्री जी आएंगे उन्होंने कहा कि खुली बहस के लिए यूपी के मंत्री की चुनौती को स्वीकार करके वह लखनऊ आए हैं।

संक्षिप्त समाचार

लालच देकर धर्मांतरण कराने के आरोप में तीन प्रचारक गिरफ्तार

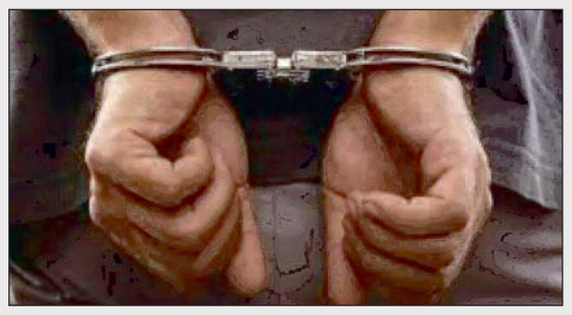

आजमगढ़। उत्तर प्रदेश में आजमगढ़ जिले के दीदारगंज थाना क्षेत्र की पुलिस ने लालच देकर लोगों का धर्म परिवर्तन कराने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। दीदारगंज के थाना प्रभारी ने मंगलवार को बताया कि तीन लोगों के खिलाफ 'उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध कानून के तहत मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया है। डीह कैथौली गांव के लोगों ने बताया कि गांव के त्रिभुवन यादव के घर रविवार सुबह से दर्जनों लोग जुटे थे। वहां ईसाई धर्म के तीन प्रचारक बाहर से आए थे। उन्होंने बताया कि धर्म परिवर्तन को लेकर प्रार्थना सभा चल रही थी। इसी बीच गांव के अशोक यादव ने पुलिस के पास इस संबंध में शिकायत की। अशोक यादव की तहरीर पर पुलिस ने लालच देकर धर्म परिवर्तन कराने के आरोप में मुकदमा दर्ज कर तीनों धर्म प्रचारकों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जौनपुर निवासी बालचंद जायसवार, वाराणसी निवासी गोपाल प्रजापति और आजमगढ़ निवासी नीरज कुमार के रूप में की गई है।

भीम आर्मी प्रमुख चंद्रशेखर रावण की पुलिस से झड़प

आजमगढ़। भीम आर्मी के मुखिया चंद्रशेखर और पुलिस प्रशासन के अधिकारियों के बीच मंगलवार को कलक्ट्रेट पर झड़प हो गई। चंद्रशेखर आजमगढ़ में हो रही आपराधिक घटनाओं पर रोक लगाने सहित कई मुद्दों को लेकर जिलाधिकारी राजेश कुमार को ज्ञापन देने जा रहे थे। स्थानीय खुफिया इकाई के सूचना पर अलर्ट रही पुलिस ने जब कलेक्ट्रेट के पास लगी बैरिकेडिंग पर चंद्रशेखर को रोका तो पुलिस और भीम आर्मी के कार्यकताओं में झड़प हो गई।

भीम आर्मी कार्यकर्तओं को आक्रोश में देख माहौल बिगड़ने की आशंका को देखते हुए प्रशासन व पुलिस के अधिकारियों ने कलेक्ट्रेट के समीप डेरा डाल दिया। इस दौरान चंद्रशेखर अपने तेवर में दिखे, उन्होंने कहा सत्ता का नशा उतारूंगा। मामले को शांत करने के लिए डीएम ने हस्तक्षेप किया और चंद्रशेखर कुछ लोगों के साथ उनसे मिले और ज्ञापन सौंप कर वापस लौट गए। इससे पहले चंद्रशेखर ने रोडवेज के समीप एक होटल में मीडिया से बातचीत में कहा कि उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। लोकतांत्रिक व्यवस्था पूरी तरह बेपटरी हो गई है। आजमगढ़ में एक माह में दुष्कर्म सहित दलितों व गरीब तबके साथ 40 घटनाएं हुईं और पुलिस प्रशासन पूरी तरह मौन रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि यूपी सरकार एनकाउंटर के नाम अपने विरोधियों को पुलिस से मरवा रही है। आरोप लगाया कि तानाशाही से लोकतंत्र नहीं चलता है। मुख्यमंत्री अपने अधिकारियों व कर्मचारियों को ठीक करें। किसान आंदोलन पर कहा कि कोरोना का बहाना बनाकर सरकार ने सदन का सत्र बंद कर दिया है। किसानों की तीनों बिल वापस लेने की मांग जायज हैं। जबकि केंद्र सरकार के गृह मंत्री अमित शाह पश्चिम बंगाल में रैलियां कर रहे हैं।

कल रात से रोडवेज बसों की बुकिंग बंद करने का अल्टीमेटम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम में बीते 10 वर्षों से यात्री सुविधाएं मुहैया करा रही ट्राईमैक्स कंपनी ने 23 दिसंबर की रात से काम बंद करने की धमकी दी है। कंपनी ने आरोप लगाया है कि बीते दो वर्षों से भुगतान नहीं किया गया। ऐसे में बुधवार की रात 12 बजे से रोडवेज बसों की ऑनलाइन एडवांस सीट बुकिंग समेत कई यात्री सुविधाएं बाधित हो सकती हैं। इस संबंध में कंपनी ने एमडी से नोटिस दी है।

आईटीएमएस यानी इंटेलिजेंस ट्रांसपोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम के तहत यात्रियों को बेहतर सुविधा देने के लिए परिवहन निगम ने ट्राईमैक्स कंपनी के साथ वर्ष 2010 में समझौता किया था। जोकि सात नवंबर 2020 को समझौता खत्म होने पर तीन महीने तक काम करने पर पुनः समझौता हुआ। इस बीच कंपनी ने अचानक काम करने से मना कर दिया। दूसरी कंपनी को टेंडर के जरिए आमंत्रित करने की प्रक्रिया चल रही है। ऐसे में रोडवेज के अधिकारी ही टिकट बुकिंग सहित अन्य यात्री सुविधाओं की खुद निगरानी करेंगे।

ट्राईमेक्स कंपनी का बुधवार रात से काम खत्म हो जाएगा। निगम के अधिकारी जिम्मेदारियों को संभाल की तैयारी में लगे हुए है। इस दौरान ऑनलाइन एडवांस टिकट बुकिंग में कंपनी की ओर से कोई गड़बड़ी की गई तो पुलिस केस दर्ज कराएंगे।

नौकरी से निकालने पर महिला सफाईकर्मी को पड़ा अटैक, साथियों ने काटा हंगामा

मेरठ। मेरठ में नौकरी से निकालने पर महिला कर्मचारी को दिल का दौरा पड़ गया। इससे क्षुब्ध सैकड़ों सफाईकर्मियों ने काम ठप कर हंगामा शुरू कर दिया। सफाई कर्मचारियों ने ईव्ज चौराहे पर जाम लगा दिया। कर्मचारी महिला सफाईकर्मी को फिर से काम पर लेने की मांग करने लगे। रास्ता जाम होने की सूचना पर सिटी मजिस्ट्रेट सत्येंद्र सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने सफाई कर्मचारियों को समझाने की कोशिश की। लेकिन सफाई कर्मचारी सेवा समाप्ति की कार्रवाई वापस लेने की मांग पर अड़े हुए हैं। उधर, महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

शहर में वार्ड 47 में आउटसोर्सिंग महिला सफाईकर्मी निशा समेत 12 आउटसोर्सिंग सफाईकर्मियों को 18 दिसम्बर को अपने ड्यूटी क्षेत्र से अनुपस्थित रहने पर नगर आयुक्त मनीष बंसल ने सेवा समाप्त करने का आदेश जारी कर दिया था। इसके बाद महिला सफाई कर्मचारी की तबीयत बिगड़ गई। ईव्ज चौराहे पर चक्का जाम के दौरान सफाई कर्मचारी नेता कैलास चंदोला, विनेश विद्यार्थी समेत बड़ी संख्या में मौजूद सफाई कर्मचारियों का आरोप है कि नगर आयुक्त की कार्रवाई से महिला सफाई कर्मचारी को झटका लगा। इससे मंगलवार की सुबह छह बजे उसे हार्टअटैक आ गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

सफाई कर्मचारी नेताओं की अगुवाई में शहर में सफाई ठप कर दी गई है। सफाई कर्मचारी नेताओं की मांग है कि सभी आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों की सेवा समाप्ति की कार्रवाई वापस ली जाए। सफाई कर्मचारियों ने स्पष्ट कह दिया है कि जब तक नगर आयुक्त मौके पर आकर उनकी मांगें मान नहीं लेते तब तक वह चौराहे से नहीं हटेंगे।

ऑनलाइन परीक्षा नहीं दे पाया छात्र तो खुद को गोली से उड़ाया

बरेली। 11वीं की परीक्षा छोड़ने पर किशोर ने खुद को गोली से उड़ा लिया। मृतक की ऑनलाइन परीक्षा चल रही थी। वहीं परिवार ने किसी भी तरह की कोई जानकारी होने से इंकार किया है। पुलिस ने शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। सुभाष नगर के राजीव कॉलोनी गली नंबर अट्ठारह निवासी मुकेश कश्यप रेलवे में टेक्नीशियन है। जबकि उनका बड़ा बेटा मनीक कश्यप (17) रामगंगा चौकी के पास स्थित सीबीएसई बोर्ड के एक निजी स्कूल में 11वीं का छात्र था।

मुकेश ने बताया कि उनके बेटे की ऑनलाइन परीक्षा चल रही थी। जिसमें एक पेपर से छूट गया था। सोमवार शाम को वह अपने छोटे भाई अन्य कश्यप के साथ कार्टून देख कर सोने गया था। सुबह लगभग 7:55 पर उनको गोली चलने की आवाज आई थी।

जिसको ट्रांसफार्मर फटने की आवाज समझ कर अनसुना कर दिया। मुकेश के मुताबिक उनकी पत्नी पूनम कश्यप कपड़े बदलने स्टोरों की तरफ गई तो दरवाजा अंदर से बंद था। जिसके बाद तीन चार लोगों को बुलाकर दरवाजा तोड़ बेटे मनिक को बाहर निकाला तब पता चला कि उसके सिर में सीधी तरफ गोली लगी है और वह खून से लथपथ है ।

विधायक तजीन फातिमा की रिहाई पर बोले अखिलेश-ये इंसाफ पर एतबार करने वालों की जीत है

लखनऊ। समाजवादी पार्टी सांसद आजम खान की विधायक पत्नी तजीन फातिमा की रिहाई पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने प्रतिक्रिया दी है। एक ट्वीट के जरिए उन्होंने विधायक तजीन फातिमा की रिहाई को इंसाफ पर एतबार करने वालों की जीत बताया। अखिलेश यादव ने अपने अधिकारिक ट्विटर हैंडल पर लिखा-रामपुर के सांसद आजम खान जी की पत्नी तजीन फातिमा जी की जमानत ने साबित कर दिया है कि नफरत की सियासत करनेवाले आखिर में सच के आगे हारते हैं। भाजपा झूठ के जिस रास्ते पर चल रही है वो अन्याय की ओर जाता है और पतन की ओर ले जाता है। ये इंसाफ में एतबार करनेवालों की जीत है। इसके पहले सोमवार शाम विधायक तंजीन फातिमा को सीतापुर जेल से रिहा कर दिया गया गया था। तंजीन फातिमा को 34 मामलों में जमानत मिल गई है। जेल से बाहर आने के बाद विधायक तजीन फातिमा ने कहा कि जेल में उन्हें कोई सुविधा नहीं मिलती थी। जैसे आम कैदी रहते थे वैसे ही खाना, पीना, रहन-सहन सामान्य कैदियों की तरह था। उन्होंने कहा कि वह सरकारी कालेज में प्रोफेसर थीं। क्या अचानक से इतनी बड़ी क्रिमिनल हो गईं।

विधायक तजीन फातिमा, अपने पति सांसद आजम खान और छोटे बेटे अब्दुल्ला आजम के साथ (26 फरवरी से) दस महीने जेल के महिला बैरक में रहीं। कोर्ट ने उनके खिलाफ दर्ज सभी 34 मामलों में जमानत दे दी है। उन्होंने कहा, 'मैं 10 महीनों के बाद जेल से रिहा हुई हूं, इसका पूरा श्रेय मैं न्यायपालिका को देती हूं, न्यायपालिका ने मेरे साथ इंसाफ किया। मैं सरकारी कॉलेज में प्रोफेसर थी. मेरी सत्य निष्ठा सरकारी अधिकारियों ने प्रमाणित की है। मैं अचानक इतनी बड़ी क्रिमिनल हो गई। उन्होंने बताया कि रिहाई के समय आजम खान से उनकी कोई मुलाकात नहीं हुई।

सांसद आजम खान के खिलाफ 85 मामले चल हैं। इनमें से 73 में चार्जशीट लग चुकी है। 12 में विवेचना चल रही है। उनकी पत्नी विधायक तजीन फातिमा के खिलाफ कुल 34 मुकदमे दर्ज हैं। 32 मुकदमों में पहले ही जमानत मिल गई थी। अब जौहर यूनिवर्सिटी के लिए शत्रु संपत्ति को कब्जाने और रामपुर पब्लिक स्कूल के लिए धोखाधड़ी कर एनओसी लेने के मामले में भी जमानत मिली है। इसके बाद उन्हें जेल से रिहा कर दिया गया है।

सिरफिरे ने बेटी को काट डाला, बचाने आई महिला की भी हत्या

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में मंगलवार की सुबह दिल दहलाने वाली वारदात हुई। एक सिरफिरे ने अपनी ही पत्नी और बच्चों पर धारदार हथियार से हमला बोल दिया। बचाने आये लोगों पर भी उसने कातिलाना वार किया। वारदात में युवक की पुत्री हुमेरा (7) और नोनहटटा मोहल्ला निवासी सुलेमा (65) पत्नी अच्छेलाल की उपचार के दौरान मौत हो गई। हमला करने की सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को उपचार के लिए पुरुष चिकित्सालय भर्ती कराते हुए शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई शुरू कर दिया। आरोपी को हिरासत में लेते हुए आवश्यक कार्रवाई में जुटी है। घटना से गुसाई भीड़ ने सड़क जाम कर दिया है, मौके पर पुलिस के अधिकारी पहुंचे और वारदात की पूरी जानकारी ली।

नगर के भादी खास मोहल्ला निवासी मुमताज (30) पुत्र आजम मानसिक रूप से विक्षिप्त है सोमवार की शाम परिवार वाले उसे उपचार के लिए वाराणसी ले जा रहे थे कि इमरान गंज बाजार के समीप गाड़ी से उतर कर भाग निकला। मंगलवार की सुबह घर पहुंचा और अचानक उसने पत्नी व बच्चों पर बांकी से हमला करना शुरू कर दिया। इससे बेटी हुमेरा (7) और पुत्र मोहम्मद (3) को काफी चोटे आईं। बीच बचाव करने पहुंची पत्नी फिरदौस (28) व भाई की पत्नी निलोफर (24) पत्नी अफरोज पर भी हमला कर दिया। हमले के बाद फिरदौस जान बचाकर बाहर भागी तो रास्ते से दूध बेचने जा रही वृद्धा सुलेमा (65) पत्नी अच्छेलाल निवासी नोनहट्टा व पड़ोसी मंजूर (36) पुत्र मुनीर ने बीच बचाव किया तो विक्षिप्त ने उन पर बांकी से हमला कर घायल कर दिया।

कृषि बिल वापस हुआ तो आमरण अनशन करेंगी साध्वी प्राची

बरेली। प्रखर हिंदूवादी नेता साध्वी प्राची ने कहा कि किसानों की आड़ में खालिस्तान की मांग करने वाले लोग जिहादी हैं। ऐसे लोगों की बातों में आने की जरूरत नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कानून वापस नहीं लेना चाहिए। यदि केंद्र सरकार किसान बिल वापस लेती है तो वह दिल्ली में आमरण अनशन करेंगी।

साध्वी प्राची सोमवार को बरेली पहुंची थी। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा पर हमला और सैकड़ों भाजपा नेताओं की पश्चिम बंगाल में एक ही नेता के इशारे पर हत्या कराई गई है। साध्वी प्राची ने कहा कि किसानों की आड़ में दलाल और आढ़ती प्रदर्शन कर रहे हैं। किसानों को बर्बाद कर रहे थे। किसानों को बरगला रहे हैं।

ममता के बाद कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए साध्वी प्राची ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष के लिए सोनिया गांधी, राहुल गांधी और फिर मैसेज वाड्रा है। उसके अलावा कोई नहीं... बीजेपी सिद्धांतवादी पार्टी है। बीजेपी में अमित शाह जी के बाद जेपी नड्डा राष्ट्रीय अध्यक्ष बने और अगला अध्यक्ष कौन होगा इसकी भी जानकारी किसी को नहीं है। राहुल गांधी कांग्रेस को बर्बाद करके अच्छा काम कर रहे हैं। बता दें कि पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के हजारों किसान, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की सीमाओं पर पिछले 26 नवंबर से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। किसान नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा पारित तीन कानूनों को रद्द करने की मांग कर रहे हैं। इनका डर है कि नए कानूनों से उनकी आजीविका प्रभावित होगी।

आज अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में विशेष डाक टिकट जारी करेंगे पीएम मोदी

अलीगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय पर विशेष डाक टिकट जारी करेंगे। इससे पहले विश्वविद्यालय के संस्थापक सर सैयद अहमद खां की 100वीं पुण्यतिथि के मौके पर भी डाक टिकट जारी किया गया था। वर्ष 2017 में केंद्र सरकार की ओर से डाक टिकट जारी किया गया था।

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि के रूप में 22 दिसंबर को ऑनलाइन संबोधन करेंगे। इस दौरान वह शताब्दी वर्ष

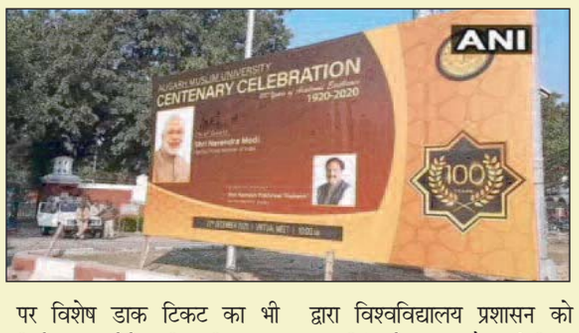

पर विशेष डाक टिकट का भी विमोचन करेंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन प्रधानमंत्री के ऑनलाइन संबोधन कार्यक्रम को अंतिम रुप दे चुका है। प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन के लिए राष्ट्रीय सूचना केंद्र द्वारा विश्वविद्यालय प्रशासन को एक लिंक भेजा गया है। इसी लिंक के माध्यम से विश्वविद्यालय के प्रशासनिक ब्लॉक की कनेक्टिविटी हो पाएगी।

इसके अलावा अन्य किसी एप या वेबसाइट के माध्यम से प्रधानमंत्री के संबोधन के लिए लिंक अप नहीं हो सकेगी।

समारोह का मिनट टू मिनट कार्यक्रम भी जारी कर दिया गया है। प्रधानमंत्री के ऑनलाइन संबोधन के दौरान व्यवस्था निर्बाध बनी रहे। इसके लिए विश्वविद्यालय के तकनीशियनों को सम्बंधित दिशा निर्देश दिये गये है। कनेक्टिविटी या अन्य कोई समस्या न आए, इसके लिए भी वैकल्पिक व्यवस्थाएं की गई है। एएमयू के नाम से डाक टिकट का विमोचन होने से अलीग बिरादगी में उत्साह है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पंजाबी सिंगर जैजी बी ने किया किसानों का समर्थन

सरकार से की किसानों की मांगें मानने की अपील

नई दिल्ली। केंद्र के तीन नए कृषि कानूनों को लेकर गतिरोध अब भी बरकरार है। कानूनों को रद्द कराने पर अड़े किसान इस मुद्दे पर सरकार के साथ आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर चुके हैं। इसके लिए दिल्ली की सीमाओं पर किसानों का आंदोलन आज 27वें दिन भी जारी है। किसानों ने सरकार से जल्द उनकी मांगें मानने की अपील की है। वहीं सरकार की तरफ से यह साफ कर दिया गया है कि कानून वापस नहीं होगा, लेकिन संशोधन संभव है।

हालांकि, केंद्र सरकार द्वारा किसान संगठन नेताओं के पास रविवार देर रात भेजे गए वार्ता के प्रस्ताव पर संयुक्त मोर्चा की मंगलवार को होने वाली बैठक में फैसला होगा। 32 किसान संगठनों के अधिकांश नेता केंद्र सरकार के उक्त प्रस्ताव को रस्मी मान रहे हैं, लेकिन सरकार के साथ बातचीत करनी है अथवा नहीं, इसका फैसला संयुक्त मोर्चा के नेता सामूहिक रूप से लेंगे।

भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि केंद्र सरकार ने रविवार को पत्र किसान संगठनों के पास भेजा है, उसमें कुछ भी नया नहीं है। सरकार की ओर से ठोस समाधान का प्रस्ताव आता है तो किसान हमेशा बातचीत के लिए तैयार हैं। लेकिन इस बार भी तीनों कृषि कानूनो के संशोधन पर चर्चा के लिए आमंत्रित किया गया है, इस पत्र में कुछ भी नया नहीं है। भारतीय-कनाडाई गायक जैजी बी नए कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली में सिंघु बॉर्डर पर धरना दे रहे आंदोलनकारी किसानों का समर्थन करने पहुंचे। उन्होंने किसानों की मांगों जायज बताते हुए सरकार से इन्हें मानने की अपील की है।

दिल्लीः दिल्ली ट्रैफिक पुलिस का कहना है कि किसानों के विरोध प्रदर्शन के कारण नोएडा और गाजियाबाद से दिल्ली की ओर आने वाले ट्रैफिक के लिए चिल्ला बॉर्डर बंद है।

नोएडा : कृषि बिल समर्थक किसानों का धरना खत्म, राज्यसभा सांसद सुरेंद्र नागर के नेतृत्व में 10 किसानों का एक प्रतिनिधिमंडल कृषि मंत्री से मुलाकात करने दिल्ली जाएगा।

नोएडा : पुलिस प्रशासन द्वारा समझाने के बाद कृषि बिल समर्थक किसानों का धरना खत्म हुआ, वापस लौटने लगे किसान।

ग्रेटर नोएडा से महामाया फ्लाईओवर की तरफ आने वाला रास्ता बंद किया गया, अब कालिंदी कुंज की तरफ जा रहा ट्रैफिक। हाइवे पर लंबा जाम लगा।

नोएडा : कृषि बिल के समर्थन में नोएड-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे पर ट्रैक्टर रैली निकाल कर दिल्ली की ओर कूच कर रहे किसान को पुलिस ने रास्ते में ही रोका।

नोएडा : सेक्टर-93 एक्सप्रेस-वे से नोएडा की तरफ कृषि बिल के समर्थन में ट्रैक्टर रैली निकालते किसान।

गाजियाबाद : किसानों द्वारा एक्सप्रेस-वे बंद किए जाने के कारण डाबर तिराहे से महाराजपुर जाने वाले मार्ग पर वाहन चालक जाम से जूझ रहे हैं। सुबह से इस रोड पर वाहनों का दबाव अत्यधिक बढ़ गया है।

नए कृषि बिल के समर्थन में गौतमबुद्ध नगर के किसानों का दिल्ली कूच शुरू। किसान बिल समर्थन रैली के लिए नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे महामाया फ्लाईओवर के पास भारी पुलिस फोर्स तैनात। पुलिस समर्थन रैली को यहां रोक सकती है।

नए कृषि कानूनों के समर्थन में गौतमबुद्ध नगर के किसान आज किसान यात्रा निकालेंगे।

यह यात्रा ग्रेटर नोएडा से प्रारम्भ होकर महामाया फ्लाईओवर से होते हुए दिल्ली जाने का प्रयास करेगी। इस यात्रा में बड़ी संख्या में स्थानीय किसानों के शामिल होने का दावा किया जा रहा है। समर्थन और विरोध करने वाले किसानों का कहीं पर ना हो आमना-सामना न हो इसे देखते हुए पुलिस ने तैयारी कर ली है। किसान यात्रा के लिए ग्रेटर नोएडा के सिटी पार्क में एकत्र हो रहे हैं।

नए कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे किसानों ने यूपी गेट पर दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे की सभी लेन बंद कर दी हैं। एक्सप्रेस-वे बंद होने से कौशांबी में वाहनों की कतारें लगीं।

कृषि कानूनों के खिलाफ सिंघु बॉर्डर पर विरोध प्रदर्शन कर रहे किसान अभी भी डटे हुए हैं। किसानों को यहां विरोध प्रदर्शन करते हुए आज 27 दिन हो गए हैं।

एयर इंडिया की लंदन-दिल्ली फ्लाइट में वायरस

लंदन से दिल्ली पहुंचे 6 यात्रियों में मिला COVID-19 वायरस

नई दिल्ली। एयर इंडिया की लंदन-दिल्ली फ्लाइट में यात्रा कर भारत पहुंच रहे छह यात्री कोविड-19 वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। फ्लाइट सोमवार रात करीब 11.30 बजे दिल्ली पहुंची थी।

एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि दिल्ली हवाई अड्डे पर पांच यात्रियों को उडश्क्क्-19 पॉजिटिव पाया गया। एक यात्री, जिसने चेन्नई के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट ली थी, उसका वहां टेस्ट किया गया और वह पॉजिटिव पाया गया।

सरकार ने सोमवार को कहा था कि ब्रिटेन-भारत की सभी उड़ानों को 23 दिसंबर से 31 दिसंबर तक निलंबित कर दिया जाएगा ताकि देश में कोरोना वायरस के नए स्ट्रेन को फैलने से रोका जा सके।

सरकार ने यह भी कहा कि सोमवार और मंगलवार को ब्रिटेन से आने वाले सभी यात्रियों का हवाईअड्डों पर आगमन पर अनिवार्य रूप से कोरोना टेस्ट किया जाएगा।

बता दें कि ब्रिटेन में कोरोना वायरस का नया स्ट्रेन मिलने के बाद लंदन से भारत आ रहे यात्रियों को विमानों से उतरने पर ही अलग-अलग किया जा रहा है। इसके साथ ही ब्रिटेन से आए सभी लोगों की आरटीपीसीआर जांच भी की जा रही है।

सोमवार देर रात और मंगलवार सुबह दो फ्लाइटों में करीब 470 यात्री दिल्ली आए हैं। अब तक 250 से अधिक यात्रियों की जांच हो चुकी है, जिनमें से यात्री व क्रू मेंबर समेत 5 पॉजिटिव मिले हैं। लोगों में भय न हो इसके लिए दिल्ली एयरपोर्ट पर चॉकलेट देकर उनका स्वागत किया गया। सामान्य माहौल देने की कोशिश के बीच यात्रियों की आवाजाही के लिए अलग-अलग लेन बनाई गई हैं। ब्रिटेन से आने वाले सभी विमानों को सैनिटाइज किया जा रहा है। फिलहाल दिल्ली से यूके के बीच रोजाना 4 फ्लाइट चल रही हैं, जनवरी 2021 में यह संख्या बढ़ाने की तैयारी है। देशभर में भारत के अलग-अलग राज्यों मुंबई, हैदराबाद, पुणे, चेन्नई, कोलकता, गोवा, अमृतसर, कोच्चि से यूके के लिए साप्ताहिक 67 फ्लाइट हैं।

दिल्ली में अभी और सताएगी सर्दी

अगले चार दिन में पड़ेगी कड़ाके की ठंड

नई दिल्ली। दिल्ली में अभी कड़ाके की ठंड पड़ रही है, मगर अगले चार दिनों तक दिल्ली वालों को ठंड और सताने वाली है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को कहा कि अगले चार दिन तक दिल्ली में शीतलहर चलने का पूवार्नुमान है और न्यूनतम तापमान में तीन से चार डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की जा सकती है। उसने कहा कि इस दौरान मध्यम से लेकर घना कोहरा छाने की भी संभावना है।

आईएमडी ने कहा कि सफदरजंग वेधशाला ने बताया कि मंगलवार को न्यूनतम तापमान 5.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वेधशाला ने रविवार को न्यूनतम तापमान 3.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया था, जो इस मौसम का सबसे

कम तापमान था। पश्चिमी विक्षोभ के हिमालय के ऊंचाई वाले इलाकों को प्रभावित करने के कारण सोमवार को न्यूनतम तापमान मामूली बढ़ोतरी के साथ 5.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। वहीं अधिकतम तापमान सामान्य से दो डिग्री अधिक 23.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

मौसम के अनुमान से संबंधित एक निजी एजेंसी 'स्काईमेट वैदर' में विशेषज्ञ महेश पलावत ने कहा, "पश्चिमी विक्षोभ के मंगलवार को खत्म होने के बाद तापमान में फिर से गिरावट आ सकती है।' उन्होंने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ से जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में हल्के से मध्यम स्तर की बारिश होने का अनुमान है। पलावत ने बताया कि एक और पश्चिमी विक्षोभ 26 दिसम्बर से हिमालय के ऊंचाई वाले इलाकों को प्रभावित कर सकता है।

मौसम विभाग मैदानी इलाकों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस या उससे कम अथवा लगातार दो दिन तक सामान्य से 4.5 डिग्री सेल्सियस नीचे रहने पर शीतलहर की घोषणा करता है। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली जैसे छोटे इलाकों में अगर एक दिन भी तापमान तय मानदंडों के अनुसार रहता है तो शीतलहर की घोषणा की जा सकती है।

इस बीच, दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक 'बेहद खराब श्रेणी' में दर्ज किया गया।

कोरोना से ठीक हुए मरीजों में फैल रहा फंगल संक्रमण

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना से ठीक हुए कम प्रतिरोधक क्षमता वाले मरीजों में म्यूकोर माइकोसिस फंगल संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं। गंगाराम अस्पताल में जहां 15 दिनों में 13 ऐसे मामले आए थे अब इनकी संख्या बढ़कर 25 हो गई है।

चिकित्सकों के अनुसार, यह फंगल संक्रमण मरीजों की आंख, नाक और जबड़े को चीरकर गला देता है। मैक्स अस्पताल में पिछले साल सिर्फ चार ऐसे मरीज आए थे। लेकिन, इस साल कोरोना काल में इनकी संख्या बढ़कर 24 हो गई है। इनमें से 20 मरीजों की आंखों की रोशनी चली गई है। अस्पताल के ईएनटी विभाग के डॉक्टर संजय सचदेव ने बताया कि ऐसा देखा गया है कि कोरोना से ठीक हुए ऐसे मरीज इसके

शिकार हो रहे हैं जिनकी प्रतिरोधक क्षमता कम है। लेडी हॉर्डिंग मेडिकल कॉलेज की ईएनटी विभाग की डॉक्टर सोनाली मल्होत्रा के मुताबिक उनके यहां पिछले 15 दिनों में पांच ऐसे मामले आए हैं। इनमें से तीन मरीज कोरोना से संक्रमित हुए थे।

अपोलो अस्पताल की नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर उमा मलियाह के मुताबिक हाल ही में उनके यहां सात ऐसे मामले आए हैं जिनमें से तीन मरीजों की जान चली गई। सर गंगाराम अस्पताल के डॉक्टर मुनीष मुंजाल के मुताबिक उनके यहां इस बीमारी से पीड़ित लगभग एक तिहाई मरीजों की जान चली गई और दो तिहाई के जबड़े और आंख की सर्जरी कर निकलना पड़ा। दिल्ली के आकाश अस्पताल में भी पिछले एक महीने में चार ऐसे मरीज सामने आए हैं। पिछले साल इनकी संख्या दो ही थी। एम्स के ईएनटी विभाग के प्रोफेसर डॉक्टर राकेश कुमार के मुताबिक यह बीमारी कई सालों से हो रही है। कम प्रतिरोधक क्षमता वाले मरीजों को यह अपना शिकार बनाती है।

संक्षिप्त समाचार

इस साल डेंगू और मलेरिया से अब तक 1-1 व्यक्ति की मौत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इस साल डेंगू और मलेरिया से अब तक एक-एक व्यक्ति की मौत हुई है। दक्षिण दिल्ली नगर निगम ने सोमवार को इस संबंध में रिपोर्ट जारी की। निगम ने कहा कि मलेरिया की वजह से पिछले छह वर्षों में पहली मौत है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वहीं इस साल डेंगू की वजह से 12 साल के लड़के की मौत हुई। सूत्रों ने बताया कि मौत कुछ महीने पहले हुई लेकिन मौत की वजह का पता बाद में चला है। हालांकि अब भी मलेरिया के मरीज की जानकारी उपलब्ध नहीं हो पाई है। दक्षिणी दिल्ली नगर निगम की ओर से जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक 19 दिसंबर तक दिल्ली में डेंगू के 1,062 मामले सामने आए। वहीं इनमें से 112 मामले दिसंबर में आए हैं। वहीं इस साल 19 दिसंबर तक मलेरिया के 225 मामले सामने आए और एक रोगी की मौत हो गई। 2015 से 2019 के बीच मलेरिया से किसी व्यक्ति की मौत नहीं हुई। वहीं इस अवधि में 111 चिकुनगुनिया के मामले आए।

ऑनलाइन शापिंग करने वालों को इनाम का झांसा देकर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

बाहरी दिल्ली। उत्तर पश्चिम जिला पुलिस के साइबर सेल ने ऑनलाइन शापिंग करने वाले लोगों को इनाम का झांसा देकर करोड़ों की ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने युवती समेत गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह केशवपुरम इलाके में किराये के कमरे में काल सेंटर चलाकर लोगों को अपना शिकार बनाते थे। पुलिस की जांच में सामने आया है कि गिरोह के सदस्य दो हजार से अधिक लोगों से करीब 30 करोड़ रुपये की ठगी कर चुके हैं। जिला पुलिस उपायुक्त विजयंता आर्या ने बताया कि जहांगीरपुरी निवासी विनीत ने शिकायत दी थी कि खुद को एक नामी ऑनलाइन शापिंग कंपनी की कर्मचारी बताने वाले एक व्यक्ति ने उन्हें फोन कर लकी ड्रा में कार निकलने की बात कही गई थी। इसके लिए बैंक खाते में छह हजार रुपये भी जमा कराए थे। लेकिन बाद में उन्हें धोखाधड़ी का पता चला। उनकी शिकायत पर मामला दर्ज कर साइबर सेल प्रभारी इंस्पेक्टर अजय कुमार सिंह के नेतृत्व में एसआइ मुक्ता व सीताराम की टीम ने जांच शुरू की। टेक्निकल सर्विलांस की मदद से पता चला कि गिरोह केशवपुरम इलाके में काल सेंटर चला रहा है। इसके बाद 15 दिसंबर को छापा मार कर मणि कार्तिक, मणिमुद्द, के. राहुल व सी. शिवा को दबोच लिया गया। उनकी निशानदेही पर बुराड़ी से प्राची अरोड़ा को रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया। वह गिरोह को बैंक खाते उपलब्ध कराती थी। पुलिस की पूछताछ में पता चला कि दो सालों से यह गिरोह कॉल सेंटर चलाकर लोगों को अपना शिकार बना रहे थे। आरोपित दक्षिण भारत के रहने वाले हैं। ऐसे में उनके निशाने पर वहीं के लोग ज्यादा रहते थे। गिरोह डाटा उपलब्ध कराने वाली कंपनी से ऑनलाइन शापिंग करने वालों की जानकारी खरीदकर वारदात को अंजाम देते थे। कॉल करने के लिए फर्जी पहचान पत्र पर जारी सिम का इस्तेमाल करते थे। सिम पश्चिम बंगाल व उत्तर प्रदेश के लोगों से खरीदते थे। पुलिस उन लोगों के बारे में भी पता लगा रही है।

आंदोलन की फसल रौंद रहा ट्रैक्टर, धरना स्थल पर कुछ युवा कर रहे हुड़दंग

पश्चिमी दिल्ली। कृषि कानूनों के विरोध में दिल्ली के विभिन्न बार्डरों पर चल रहे किसान आंदोलन की चमक समय के साथ फीकी पड़ती नजर आ रही है। किसान व केंद्र सरकार के बीच कई दौर की वार्ता बेनतीजा रहने के बाद एक तरफ किसानों का उत्साह ठंडा पड़ रहा है, वहीं दूसरी ओर बुजुर्ग आंदोलनकारियों के लिए युवा सिरदर्द बनते जा रहे हैं। हालत यह है कि आंदोलन स्थल पर युवा पूरे दिन हुड़दंग मचाते हुए तेज आवाज में संगीत सुनने के साथ-साथ अनाप-शनाप नारेबाजी भी करते हैं। ऐसे में कई किसान अब मानने लगे हैं कि शांतिपूर्ण आंदोलन का मार्ग अब कहीं न कहीं भटकने लगा है। दूसरी ओर बुजुर्ग किसानों की हो रही मौत भी अब किसान संगठनों के लिए चिंता का विषय है। सिंघु बार्डर पर विरोध प्रदर्शन में मौजूद 70 वर्षीय किसान राज सिंह ने कहा ह्यहम यहां शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन करने आए हैं। पहले दस दिनों तक सब कुछ ठीक था, लेकिन अब आंदोलन स्थल पर कई युवा आ गए हैं। ऐसे में ये पूरे दिन ट्रैक्टर पर इधर-उधर करते रहते हैं। इस दौरान कई बार शब्दों की मयार्दा भी टूट जाती है। यह बिल्कुल गलत बात है। ह्यहरियाणा से आए 65 वर्षीय विनय ने कहा ह्य तेज आवाज में संगीत सुनने के कारण मोबाइल पर बात करना भी दूभर हो गया है। ऐसे में युवाओं की हुड़दंगबाजी कहीं न कहीं आंदोलन के महत्व को कम कर रहा है। लोकतंत्र में शिष्टाचार बहुत जरूरी है और इसे हम सभी को कायम रखना चाहिए। अगर इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो हम लक्ष्य को कभी प्राप्त नहीं कर सकते हैं। सरकार की ओर से फिर वार्ता का प्रस्ताव मिला है। ऐसे में हमें उम्मीद है कोई न कोई रास्ता निकलेगा।

सिंघु बार्डर पर चल रहे किसान आंदोलन की आड़ में कुछ युवा धरनास्थल पर ट्रैक्टर चलाते हुए नारेबाजी कर रहे हैं। इस तरह वे अपनी ही नहीं आंदोलनरत किसानों की जान जोखिम में डाल रहे हैं। पिछले दिनों प्रदर्शन कर रहीं महिलाओं ने हुड़दंग नहीं करने की अपील भी की थी, लेकिन इन्हें न दूसरों की जान की चिंता है और न कानून की परवाह।

कड़ी सुरक्षा में पत्नी व बच्चों से शहाबुद्दीन की हुई मुलाकात

3 साल बाद परिजनों से मिले पूर्व सांसद

सीवान। दिल्ली के तिहाड़ जेल में बंद पूर्व सांसद मो. शहाबुद्दीन से उनके परिजनों की कड़ी सुरक्षा में मुलाकात हुई। दिल्ली हाईकोर्ट के निर्देश पर 18 घंटे के लिए मो. शहाबुद्दीन को परिजनों से मुलाकात करने की अनुमति मिली थी। कोर्ट ने कहा था कि छह-छह घंटे के लिए पूर्व सांसद दिल्ली में कहीं भी मुलाकात कर सकते हैं।

पूर्व सांसद के पिता 90 वर्षीय शेख मोहम्मद हसीबुल्लाह का 19 सितम्बर को निधन हो गया था। पूर्व सांसद ने सुपुर्द-ए-खाक की रस्म में शामिल होने के लिए पैरोल पर सीवान आने की अनुमति मांगी थी। कोरोना काल और निधन के दूसरे और तीसरे दिन अवकाश के कारण कोर्ट में सुनवाई नहीं हो पायी, जिससे विलंब हो गया। इसलिए वे सुपुर्द-ए-खाक में शामिल नहीं हो पाये। इसके बाद उन्होंने पिता के चालीसवा में आने की अनुमित कोर्ट से मांगी।

कोर्ट ने पूर्व सांसद को सीवान भेजने के लिए दिल्ली और बिहार

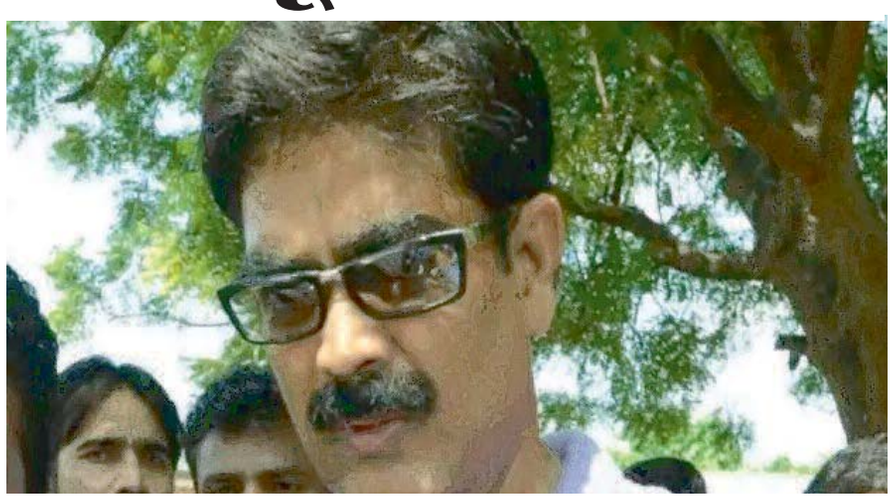

सरकार से रिपोर्ट मांगी, लेकिन दोनों ने सुरक्षा देने से हाथ खड़े कर दिये। कहा कि शहाबुद्दीन को पैरोल पर सीवान भेजने से विधि-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हो सकती है। एक बटालियन जवानों को लगाने के बाद भी लॉ एंड आर्डर संभालना संभव नहीं है। दोनों राज्यों की सरकारों के जवाब के बाद कोर्ट ने दिल्ली की ही किसी अपनी पसंद की जगह को पूर्व सांसद को चुनने को कहा। इसके बाद एक माह के भीतर तीन दिनों के लिए छह-छह घंटे तक का दिल्ली सरकार को परिजनों से पूर्व सांसद को मिलाने का निर्देश जारी किया।

तीन साल दो माह बाद मां और बेटे-बेटियों से मिले शहाबुद्दीन

नई दिल्ली के गीता कॉलोनी स्थित ताज इन्क्लेव के एक फ्लैट में पूर्व सांसद ने सोमवार, बुधवार और शनिवार को परिजनों से मुलाकात की। फ्लैट सीवान के ही उनके एक करीबी का था। लगभग तीन साल दो माह बाद पत्नी राजद नेत्री हेना शहाब, बेटा मोहम्मद ओसामा, मां और दोनों बेटियों से पूर्व सांसद ने बातचीत की।

तिहाड़ से गीता कॉलोनी आने-जाने के दौरान पूर्व सांसद मो. शहाबुद्दीन की सुरक्षा व्यवस्था काफी तगड़ी थी।

3 साल से फरार दिल्ली का पूर्व विधायक गिरफ्तार

नई दिल्ली। 2 साल से भी अधिक समय से फरार दिल्ली का पूर्व विधायक रामबीर शौकीन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के मुताबिक, कई संगीन मामलों में आरोपित रामबीर शौकीन को दिल्ली पुलिस ने उस वक्त धर दबोचा जब वह कोर्ट में आत्मसमर्पण की तैयारी में था। दरअसल, रामबीर शौकीन दिल्ली हाई कोर्ट में आत्मसमर्पण करने के लिए आया था। इस बीच हाई कोर्ट ने नियमानुसार रामबीर को सीएमएम की कोर्ट में जाने के लिए कह दिया। यहां पर भी वह किन्हीं कारणों से आत्मसमर्पण नहीं कर पाया, इस बीच दिल्ली पुलिस को इसकी भनक लगी तो मौके पर पहुंची पुलिस ने रामबीर को गिरफ्तार कर लिया। यहां पर बता दें कि राम बीर शौकीन सितंबर, 2018 में सफदरजंग अस्पताल से पुलिसकर्मियों को चकमा देकर फरार हो गया था। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने पूर्व विधायक पर 1 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था और तीन पुलिसकर्मियों को लापरवाही में सस्पेंड कर दिया था। गौरतलब है कि रामबीर शौकीन दिल्ली के सबसे बड़े डॉन नीरज बवाना का मामा है।

यहां पर बता दें कि रामबीर शौकीन का संबंध कांग्रेस पार्टी से रहा है, लेकिन 2013 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में उन्होंने मुंडका सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ा था। इस चुनाव में रामबीर ने जीत दर्ज की थी और उन्होंने अरविंद केजरीवाल की 49 दिन की सरकार को समर्थन भी दिया था। रामबीर शौकीन दिल्ली के डॉन नीरज बवाना का मामा है और पुलिस कस्टडी में इलाज के दौरान सफदरजंग अस्पताल से फरार हो गया था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात सरकार ने परामर्श जारी किया

कोरोना संक्रमितों में दिख रहा गंभीर फंगल संक्रमण

क्रांति समय दैनिक

गुजरात के स्वास्थ्य विभाग ने कुछ कोविड-१९ रोगियों के 'म्यूकरमाइकोसिस से संक्रमित होने के बाद डॉक्टरों और स्वास्थ्य अधिकारियों को परामर्श जारी किया, जिसमें इस एक प्रकार का गंभीर तथा दुर्लभ फंगल संक्रमण बताया गया है,इसमें मृत्यु होने की

कुल दर ५० प्रतिशत है। परामर्श के अनुसार, 'म्यूकरमाइकोसिस' कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले और विभिन्न रोगों से ग्रस्त लोगों को अपनी चपेट में ले लेता है। स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि अहमदाबाद और राजकोट में कुछ कोरोना पीड़ितों के 'म्यूकरमाइकोसिस' से संक्रमित होने के बाद परामर्श जारी किया गया है। यह एक ''गंभीर और दुर्लभ संक्रमण है।''

विभाग ने कहा कि हवा में मौजूद फंगल के कण शरीर में जाकर आमतौर पर साइनस (नाड़ी) या फेफड़ों को प्रभावित करते हैं।

परामर्श में कहा कि यह शरीर के किसी भी अंग में हो सकता है। स्वास्थ्य विभाग के परामर्श में कहा गया है कि इसमें मृत्यु होने की कुल दर ५० प्रतिशत है।

इसे जल्द पहचानने और इलाज कराने से बेहतर नतीजे सामने आ सकते हैं। परामर्श में कहा गया है कि मधुमेह और कैंसर पीड़ितों, अंग प्रतिरोपण, स्टेम सेल प्रतिरोपण कराने वाले या ऐसे लोगों के इसकी चपेट में आने का बहुत अधिक खतरा है,

जिनके शरीर में आयरन की मात्रा काफी ज्यादा है। विभाग ने स्पष्ट किया कि म्यूकरमाइकोसिस' मनुष्य से मनुष्य या इंसानों से जानवरों के बीच नहीं फैल सकता।

विभाग ने कहा कि लोग पर्यावरण में मौजूद फंगल कणों के संपर्क में आकर 'म्यूकरमाइकोसिस' का शिकार बनते हैं।'

लंदन से फ्लाइट में आए २७१ में से ४ यात्री कोरोना पॉजिटिव

क्रांति समय दैनिक

अहमदाबाद;ब्रिटेन में कोराना के नए स्ट्रेन से फिर एक बार दुनियाभर में दहशत फैल गई है। भारत समेत कई देशों ने ब्रिटेन की हवाई सेवाएं बंद कर दी हैं। लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद अहमदाबाद के एसवीपी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कोरोना संक्रमित चारों यात्री गुजराती है और ब्रिटिश नागरिक हैं। भारत सरकार ने एयरपोर्ट पर एयरपोर्ट पहुंचने पर उसमें सवार सभी यात्रियों और एयरलाइंस स्टाफ का आरटी पीसीआर टेस्ट किया गया। सभी तब तक एयरपोर्ट पर रोके रखा गया, जब तक रिपोर्ट नहीं आ गई। रिपोर्ट

अहमदाबाद से लंदन जाने वाली फ्लाइट ३१ दिसंबर तक रद्द कर दी है। इस आज सुबह लंदन से २४९ यात्री और एयरलाइंस स्टाफ के २२ सदस्यों का अहमदाबाद एयरपोर्ट पर आरटी पीसीआर टेस्ट किया गया। कुल २७१ में से ४ यूके से आई फ्लाइट के यात्रियों के चेकआउट के लिए एक एसओपी जारी की है । जिसके आधार पर अहमदाबाद एयरपोर्ट पर कार्यवाही की जा रही है। बता दें कि आज सुबह १०.४५ बजे लंदन से फ्लाइट के अहमदाबाद आने पर साढ़े पांच घंटों के बाद नेगेटिव लोगों को एयरपोर्ट से रवाना किया गया। जबकि पॉजिटिव रिपोर्ट् जिनकी आई है उन चार यात्रियों को अहमदाबाद के एसवीपी अस्पताल में दाखिल किया गया है।

फरार हीरा व्यापारी के खिलाफ एक और युवती ने दर्ज करवाई दुष्कर्म की रपट

क्रांति समय दैनिक

सूरत शहर के वराछा क्षेत्र के डायमंड वर्ल्ड के हीरा व्यापारी वसंत पटेल के खिलाफ एक और युवती ने दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। कुछ दिन पहले २२ वर्षीय एक युवती द्वारा शिकायत दर्ज करवाने के बाद से वसंत पटेल फरार है। इस मामले पुलिस वसंत पटेल की तलाश कर रही है और अब उसके खिलाफ दुष्कर्म का एक और मामला सामने आ गया है। जानकारी के मुताबिक १ नवंबर को एक युवती को नौकरी के लिए वसंत पटेल ने सूरत के वराछा क्षेत्र के डायमंड वर्ल्ड स्थित अपनी ऑफीस में बुलाया था। जहां शीतल पेय में नशीला पदार्थ मिलाकर उसे पिला दिया था। युवती के सुध बुध खोने के बाद वसंत पटेल ने युवती के साथ दुष्कर्म किया था। यौन शोषण की शिकार युवती द्वारा मामले की रिपोर्ट दर्ज करवाने के बाद वसंत पटेल फरार हो गया था। इस मामले में पुलिस वसंत पटेल की तलाश कर रही है और अब उसके खिलाफ एक युवती ने दुष्कर्म की शिकायत की है। सूरत के वेड रोड क्षेत्र में रहनेवाली २४ वर्षीय युवती करीब डेढ़ साल पहले सोशल मीडिया के जरिए हीरा व्यापारी वसंत पटेल के संपर्क में आई थी। जिसके बाद वसंत पटेल और युवती के बीच अक्सर फोन पर बातचीत होने लगी। वसंत पटेल ने युवती से कहा कि उसका परिवार आफ्रीका में रहता है, इसलिए वह उसके साथ मैत्री करार से रहना चाहता है।

लेकिन युवती ने वसंत पटेल के साथ रहने से इंकार कर दिया। बाद में वसंत पटेल ने युवती को अपनी ऑफीस में बुलाया और फिर एक बार मैत्री करार से रहने की उससे बात की। इस बार भी युवती के इंकार करने पर वसंत पटेल ने उसके साथ दुष्कर्म किया। जिसके बाद वसंत पटेल जब चाहे तब युवती को ऑफीस में बुलाता और उसके साथ रेप करता। एक बार वसंत

पटेल युवती को मुंबई घुमाने ले गया, जहां एक होटल में उसके साथ दुष्कर्म किया। बार बार दुष्कर्म से युवती गर्भवती हो गई। वसंत पटेल को जब इसका पता चला तो उसने कोई दवाई देकर युवती का गर्भपात करवा दिया। बाद में युवती को धमकी दी कि अब कभी उससे संपर्क करने या मिलने का प्रयास मत करना, वर्ना सोशल मीडिया पर दुष्कर्म का वीडियो वायरल कर देगा। करीब डेढ़ साल तक यौन शोषण का शिकार हुई युवती ने आखिरकार वसंत पटेल और उसके ड्राइवर जयेश के खिलाफ दुष्कर्म की रपट दर्ज करवा दी। वसंत पटेल के खिलाफ पहली शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस ने उसकी ऑफीस में काम करने वाले अंकित और हीरा व्यापारी योगेश घनश्याम साकरिया को गिरफ्तार किया था। दोनों ने घटना की गवाही देने वाले सीसीटीवी फूटेज नष्ट कर दिए थे। मुख्य आरोपी वसंत पटेल और उसका ड्राइवर अब भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है।

ट्रक ने बाइक सवार दंपत्ति को उड़ाया, गर्भवती महिला की मौत

क्रांति समय दैनिक

अरवल्ली मोडासा के सहयोग सर्कल के निकट ट्रक ने बाइक सवार दंपत्ति को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में गर्भवती महिला की मौत हो गई और उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया।

हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। जानकारी के मुताबिक अरवल्ली जिले के मोडासा में मालपुर रोड स्थित आराधना सोसायटी निवासी भरत नटवरलाल भावसार अपनी पत्नी कृपा भावसार के साथ मोटर साइकिल पर शहर के सहयोग सर्कल से गुजर रहे थ। उस वक्त एक ट्रक ने बाइक सवार दंपत्ति को अपनी चपेट में ले लिया। ट्रक की चपेट में आई गर्भवती कृपा करीब २० फूट तक घिसटती चली गई। इस हादसे में कृपा भावसार की मौत हो गई।

जबकि उसका पति पार्थ भावसार गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद ड्राइवर घटनास्थल पर अपना ट्रक छोड़कर फरार हो गया।

पार्थ भावसार की शिकायत के आधार पर पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरूकी है।

कलोल में जोरदार ब्लास्ट से दो मकान ढहे, एक युवक की मौत

क्रांति समय दैनिक

गांधीनगर के कलोल स्थित गार्डन सिटी सोसायटी में आज सुबह अचानक हुए धमाके से दो मकान ढह गए। इस घटना में एक युवक की मौत हो गई, जबकि ४ लोगों के घायल होने की खबर है। धमाका इतना जबर्दस्त था कि आसपास के मकानों के शीशे टूट गए और आवाज काफी दूर तक सुनाई दी। जानकारी के मुताबिक गांधीनगर जिले के कलोल की गार्डन सिटी सोसायटी में आज सुबह करीब पौने आठ बजे

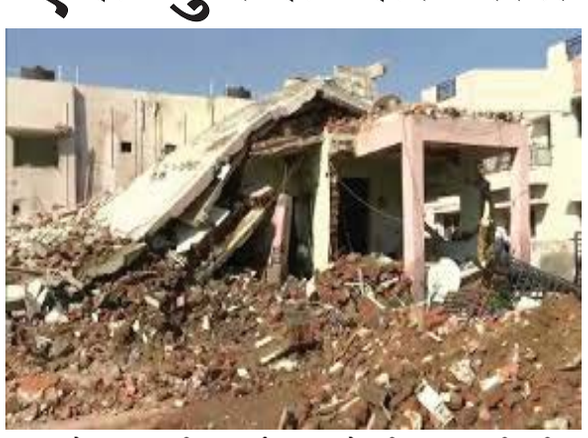

ब्लास्ट से अफरातफरी मच गई। धमाका इतना जबर्दस्त था कि सोसायटी के दो मकान ढह गए। धमाके की आवाज करीब तीन-चार किलोमीटर तक सुनाई दी। ब्लास्ट की तीव्रता इतनी थी कि सोसायटी के अन्य मकानों के शीशे चकनाचूर हो गए। जिस मकान में धमाका हुआ वह पूरी तरह धराशायी हो गया। सूचना मिलते ही फायर और पुलिस का काफिला घटनास्थल पर पहुंच गया। इस घटना में एक युवक की मौत हो गई है। जबकि एक वृद्ध महिला समेत चार लोगों के घायल होने की खबर है। बताया जाता है कि मकान के नीचे से ओएनजीसी की गैस की लाइन गुजरती है और उसमें ब्लास्ट हुआ है।

१०० की रफ्तार से दौड़ रही बाइक रोड डिवाइडर से टकराई, चालक की मौत

क्रांति समय दैनिक

वलसाड, दमण के वरकुंड क्षेत्र में १०० किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ रही हार्ले डेविडसन बाइक एक मोड पर बेलगाम होकर रोड डिवाइडर से टकरा गई। इस हादसे में बाइक चला रहे युवक की घटनास्थल पर मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब वलसाड के वापी में रहनेवाला युवक दमन से वापी लौट रहा था। जानकारी के मुताबिक वलसाड के वापी के सब्जी के थोक व्यापारी ओमप्रकाश ठाकुर का ३८ वर्षीय पुत्र जयदीपसिंह हार्ले डेविडसन बाइक पर अपने ३० वर्षीय दोस्त जिज्ञेश मनसुख राजपूत के साथ दमण से वापी की ओर लौट रहा था। देर रात हार्ले डेविडसन बाइक १०० किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से भागी चली जा रही थी। उस वक्तदमण-वापी रोड पर वरकुंड के निकट एक मोड पर तेज रफ्तार में बाइक मोडने के प्रयास में जयदीपसिंह स्टेयरिंग से नियंत्रण गंवा दिया और बाइक स्लीप होकर रोड डिवाइडर से टकरा गई। इस हादसे में सिर में गंभीर चोट लगने से जयदीपसिंह की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि बाइक पर पीछे बैठा जयदीप का दोस्त जिज्ञेश गंभीर रूप से घायल हो गए।

जिज्ञेश को गंभीर हालत में दमण के मरवड सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

रु १० लाख कीमत की विदेशी बाइक हार्ले डेविडसन में ८०० सीसी क्षमता का इंजन होता है जो चंद सैंकड में १०० किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ लेता है। लेकिन कभी यह रफ्तार मौत की सजा बन जाती है। वापी के व्यापारी पुत्र की तेज रफ्तार की सनक ने उसकी जान ले ली

कोरोना के नए स्ट्रेन का खतरा

अहमदाबाद-लंदन के बीच हवाई सेवा रद्द

क्रांति समय दैनिक

अहमदाबाद: ब्रिटेन में कोरोना का नया स्ट्रेन सामने आने के बाद दुनियाभर में हड़कम्प मच गया है। यूरोपियन यूनियन और भारत समेत दुनिया के कई अन्य देशों से भी संक्रमण को रोकने के लिए हवाई सेवाएं बंद कर दी हैं। अहमदाबाद-लंदन के बीच हवाई सेवा ३१ दिसंबर तक रद्द कर दी है। आज पौने ग्यारह बजे लंदन से एक फ्लाइट अहमदाबाद आई है। जिसमें आए २४९ यात्री और २२ एयरलाइंस का स्टाफ का अहमदाबाद एयरपोर्ट पर आरटी पीसीआर टेस्ट किया गया। इन सभी को आरटी पीसीआर रिपोर्ट

आने के बाद ही एयरपोर्ट से बाहर निकलने की इजाजत मिलेगी।

रिपोर्ट पॉजिटिव आए या नेगेटिव, लंदन से आए यात्रियों को सरकारी गाइडलाइन का पालन करना अनिवार्य है। अहमदाबाद एयरपोर्ट पर यात्रियों के लिए आरटी पीसीआर के लिए अलग से व्यवस्था की गई है। ताकि अन्य फ्लाइट से आनेवाले यात्रियों को कोई मुश्किल न हो। अहमदाबाद महानगर पालिका की स्वास्थ्य टीम द्वारा आरटी पीसीआर टेस्ट किया जा रहा है।

लंदन से अहमदाबाद आए यात्रियों के लिए हवाई अड्डे पर व्यवस्था की गई है। अहमदाबाद से लंदन के बीच आवागमन करतीं फ्लाइट को ३१ दिसंबर तक रद्द कर दिया गया है।

बता दें कि ब्रिटेन के एक लैब में RT-PCR टेस्ट के दौरान कोरोना वायरस के इस खतरनाक स्ट्रेन का पता चला है। टेस्ट के दौरान पता चला कि यह वायरस पहले के कोविड-१९ वायरस की तुलना में ज्यादा संक्रामक है और सुपर स्प्रेडर है।

कोरोना वायरस का यह नया रूप काफी तेजी से फैलने वाला है।

शुरुआती जांच से पता चला है कि यह पहले वाले कोरोना वायरस से ज्यादा संक्रामक है।

वैज्ञानिकों ने इस नए वायरस का नाम B.1.1.7. रखा है। अभी इस स्ट्रेन के बारे में बहुत ज्यादा जानकारी नहीं आई है। अधिकारियों का कहना है कि यह वायरस ७०% ज्यादा तेजी से फैलता है।

सार-समाचार

जीप में लटक कर यात्रा कर रहा युवक सड़क पर गिरा, ट्रक से कुचल कर मौत

कच्छजिले के शिवलखा पाटिया के निकट तीन वाहनों के बीच हुई दुर्घटना में जीप में लटक कर यात्रा कर रहा एक युवक सड़क पर जा गिरा। उस वक्तपीछे से आ रहे ट्रक ने युवक को रौंद दिया। इस घटना में युवक की घटनास्थल पर मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक कच्छ में शिवलखा पाटिया के निकट इनोवा कार, उसके पीछे यात्रियों से भरी बोलेरो जीप और उसके पीछे ट्रक एक कतार में चल रहे थे। उस वक्तट्रक ने जीप को टक्कर मार दी। ट्रक की टक्कर से जीप आगे चल रही इनोवा कार से जा टकराई। हांलाकि इस हादसे में अन्य कोई घायल नहीं हुआ, परंतु जीप में लटक कर यात्रा कर रहा २८ वर्षीय नागजी जेसंगभाई कोली सड़क पर जा गिरा। नागजी सड़क पर गिरा ही था कि पीछे से आ रहे ट्रक के पहियों ने उसे रौंद दिया। इस घटना में नागजी कोली की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

शेर ने एक और सोनेरडी गांव के बीच शेर ने दो युवतियों पर हमला

जूनागढ,शेर ने एक और सोनेरडी गांव के बीच शेर ने दो युवतियों पर हमला कर दिया । एक युवती को शेर ने फाड़ खाय, जबकि दूसरी युवती ने पानी की टंकी में कूदकर अपनी जान बचाई। इस घटना से स्थानीय लोगों में दहशत व्याप्त है। जानकारी के मुताबिक पंचमहल के मोरवाहडफ के मूल निवासी परिवार जूनागढ़ की वंथली तहसील में खेत मजदूयुवती को फाड़ खाया, दूसरी ने पानी की टंकी में कूदकर बचाई जान जूनागढ़ जिले के धणफुलिया री करता है। सोमवार की रात करीब ९.३० बजे परिवार की १७ वर्षीय भारती और १३ वर्षीय रेखा नामक दो लड़कियां शौच के लिए गई थी। वंथली तहसील के धणफुलिया और सोनेरडी गांव के बीच शौच को गई लड़कियों पर अचानक दो शेरों ने हमला कर दिया। १७ वर्षीय भारती को शेर अपने मुंह में दबाकर घसीट ले गए, जबकि रेखा ने पानी की टंकी में कूदकर अपनी जान बचाई। घटना की खबर लगते ही वन विभाग के कर्मचारियों समेत स्थानीय लोगों ने शेर के मुंह से भारती को छुड़ाने की काफी कोशिशें की। लेकिन सफलता नहीं मिली और भारती शेर का शिकार हो गई।

श्वान को बचाने के प्रयास में कार गिरी तालाब में, तीन शिक्षकों की मौत

मेहसाणा, जिले के पांचोट स्थित तालाब में कार गिरने से उसमें सवार एक महिला और दो पुरुष समेत तीन शिक्षकों की मौत हो गई। सड़क पर आए एक श्वान को बचाने के प्रयास में चालक ने स्टेयरिंग से नियंत्रण गंवा दिया और कार तालाब में जा गिरी। जानकारी के मुताबिक मेहसाणा से तीन शिक्षक रोज की भांति कार में नौकरी पर जा रहे थे। तेज रफ्तार कार अपने गंतव्य की ओर बढ़ रही थी। उस वक्तपांचोट के निकट एक श्वान सड़क के बीच आ गया, जिसे बचाने के प्रयास में चालक ने स्टेयरिंग से नियंत्रण गंवा दिया और कार निकट के तालाब में जा गिरी। घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए और बचाव कार्य शुरूकर दिया। हांलाकि तब तक कार में सवार तीनों शिक्षकों की मौत हो चुकी थी। जेसीबी की मदद से कार को बाहर निकाला गया। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज आगे की कार्यवाही शुरूकर दी।

राज्य में कोरोना के ९८८ नए मरीज, १२०९ हुए स्वस्थ, ९ मरीजों की मौत

राज्य में आज ९८८ कोरोना संक्रमित मरीज सामने आए हैं और १२०९ लोग स्वस्थ होकर अपने घर लौट गए। जबकि अहमदाबाद समेत राज्य में ७ मरीजों की कोरोना से मौत हो गई। बीते २४ घंटों में कोरोना के सबसे अधिक २०१ केस अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में दर्ज हुए। सूरत कॉर्पोरेशन में १२८, वडोदरा कॉर्पोरेशन में १०४, राजकोट कॉर्पोरेशन में १०२, मेहसाणा में ३५, वडोदरा में ३३, खेडा में ३२, सूरत में ३२, राजकोट में ३१, पंचमहल में २४, दाहोद में २३, गांधीनगर में १८, जामनगर कॉर्पोरेशन में १७, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में १५, बनासकांठा, भावनगर कॉर्पोरेशन, कच्छ और महीसागर में १३-१३, अमरेली, भरुच, जामनगर, साबरकांठा और सुरेन्द्रनगर में १०-१० समेत राज्य में कुल ९८८ कोरोना संक्रमित मरीज सामने आए। जबकि अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में २००, सूरत कॉर्पोरेशन १२७, वडोदरा कॉर्पोरेशन में १८४ और राजकोट में ११८ समेत राज्य में कुल १२०९ मरीजों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया। इस दौरान अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में ५, बोटाद और सूरत कॉर्पोरेशन में १-१ समेत राज्य में ७ मरीजों की कोरोना से मौत हो गई। आज ५४५८७ समेत राज्यभर में अब तक ९१६२९८० लोगों को टेस्ट किया गया, जिसमें कुल २३७२४७ लोग कोरोना संक्रमित पाए गए। इनमें से २२१६०२ लोग कोरोना से ठीक होकर अपने घर लौट

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

डीडीसी चुनाव: जेल में बंद पीडीपी के युवा नेता वहीद पारा जीते, महबूबा मुफ्ती ने ट्वीट कर जताई खुशी

श्रीनगर। पीडीपी की युवा इकाई के अध्यक्ष वहीद पारा ने मंगलवार को जम्मू कश्मीर में पुलवामा जिले से जिला विकास परिषद (डीडीसी) के चुनाव में जीत दर्ज की। आतंकवादियों के साथ कथित संबंधों को लेकर पारा राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की हिरासत में हैं। पारा ने भाजपा प्रत्याशी सज्जाद अहमद रैना को पराजित किया। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा कि उन्हें अपनी पार्टी के युवा नेता की जीत पर गर्व है।

महबूबा ने ट्वीट किया, ''पीडीपी उम्मीदवार पारा वहीद के अपने पहले ही चुनाव में वोटों के बड़े अंतर से जीतने पर गर्व है। नामांकन दाखिल करने के बाद निराधार आरोपों में गिरफ्तार होने के बावजूद लोगों ने वहीद के प्रति अपना प्यार और विश्वास दिखाया। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने 25 नवंबर को पारा को गिरफ्तार किया था। पारा ने गुपकर उम्मीदवार के रूप में नामांकन पत्र दाखिल किया था।

पाक की नापाक हरकतें जारी, पुंछ जिले में की गोलीबारी, मोर्टार भी दागे

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के पास स्थित अग्रिम चौकियों पर मंगलवार को पाकिस्तान की ओर से गोलीबारी की गई और मोर्टार दागे गए। एक रक्षा प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस हमले में भारतीय पक्ष को कोई नुकसान नहीं हुआ। प्रवक्ता ने कहा, 'आज पूर्वाह्न साढ़े नौ बजे पाकिस्तानी सेना की ओर से बिना उकसावे के संघर्ष विराम का उल्लंघन किया गया। नियंत्रण रेखा पर पुंछ जिले के मनकोट सेक्टर में छोटे हथियारों से गोलीबारी की गई और मोर्टार दागे गए।'

बाघ प्रदेश के बाद अब तेंदुआ प्रदेश भी बना मध्य प्रदेश, प्रदेश में सबसे अधिक 3421 तेंदुए मिले

भोपाल। प्रदेश के वन्यजीव प्रेमियों के लिए बीतता हुआ साल एक और खुशखबरी देकर जा रहा है। टाइगर स्टेट के बाद अब मध्य प्रदेश को लेपर्ड स्टेट का खिताब भी हासिल हो गया है। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने सोमवार को देश की राजधानी दिल्ली में वर्ष 2018 की लेपर्ड गणना की रिपोर्ट जारी साझा की, जिसमें मध्य प्रदेश 3421 तेंदुओं के साथ टॉप पर रहा है। केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2018 की बाघों की गणना के साथ तेंदुओं की गणना भी की गई थी। टाइगर एस्टीमेशन की रिपोर्ट तो जारी कर दी गई थी, लेकिन तेंदुओं से संबंधित रिपोर्ट को रोक लिया गया था। इसी रिपोर्ट को सोमवार को केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने जारी किया है। इस रिपोर्ट के अनुसार मध्य प्रदेश में 3421 तेंदुओं की मौजूदगी के साक्ष्य मिले हैं और मध्य प्रदेश टॉप पर रहा है। सूची में 1785 तेंदुओं के साथ कर्नाटका दूसरे नंबर पर रहा है। वहीं, 1690 तेंदुओं के साथ महाराष्ट्र तीसरे स्थान पर रहा है। इस रिपोर्ट में देश में कुल 12852 तेंदुओं की मौजूदगी की बात कही गई है, जिनमें से लगभग 25 फीसदी मध्य प्रदेश में पाए गए हैं।

गहलोत की मांग, सभी नागरिकों के निशुल्क टीकाकरण की स्पष्ट घोषणा करे केंद्र सरकार

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि केंद्र सरकार सभी नागरिकों को कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव का टीका निशुल्क लगाने के लिए स्पष्ट घोषणा करे। उन्होंने कहा कि सही समय पर जानकारी देने से आमजन के बीच टीके की कीमत और उपलब्धता के बारे में भ्रम की स्थिति नहीं रहेगी। गहलोत सोमवार को राज्य में कोरोना महामारी की स्थिति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोगों का आत्म-विश्वास बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा इस तरह की घोषणा जरूरी है। इसके साथ ही गहलोत ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे राजस्थान में सभी लोगों को कोविड-19 टीकाकरण के संबंध में पुख्ता तैयारियां करें। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी और उसके गम्भीर आर्थिक प्रभावों के कारण बड़ी संख्या में आबादी टीके की कीमत चुकाने की स्थिति में नहीं है। ऐसे में केन्द्र सरकार को देश के सभी नागरिकों के लिए टीका निशुल्क उपलब्ध कराना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य कार्मिकों और अति आवश्यक सेवाओं से जुड़े अग्रणी योद्धाओं को टीकाकरण के लिए प्राथमिकता देना उचित है। लेकिन अंतत: किसी भी अन्य टीकाकरण अभियान की तरह यह टीका भी सभी के लिए और निशुल्क उपलब्ध होना चाहिए।

अगर बंगाल में भाजपा 200 सीटें नहीं जीती को क्या पार्टी नेता पद छोड़ेंगे: प्रशांत किशोर

नयी दिल्ली। चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने मंगलवार को भाजपा नेताओं को सार्वजनिक तौर पर यह स्वीकार करने कीचुनौती दी कि अगर भगवा दल पश्चिम बंगाल में 200 सीटें हासिल करने में विफल रहा तो वे अपने पद छोड़ देंगे। इससे एक दिन पहले किशोर ने दावा किया था कि भाजपा बंगाल में सीटों के मामले में दहाई की संख्या तक भी नहीं पहुंच पाएगी। किशोर ने अपना आंकलन दोहराते हुए पीटीआई-से कहा, भाजपा पश्चिम बंगाल में (सीटों के मामले में) दहाईके आंकड़े को पार करने में संघर्ष करेगी और 100 से कम सीटें हासिल करेगी। अगर उन्हें इससे ज्यादा सीटें मिलती हैं तो मैं अपना काम छोड़ दूंगा।

केजरीवाल मॉडल बनाम योगी मॉडल: सिसोदिया ने लखनऊ पहुँचकर सिद्धार्थनाथ सिंह को दी बहस की चुनौती

लखनऊ। (एजेंसी)।

दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने मंगलवार को लखनऊ पहुँचकर उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री एवं प्रवक्ता सिद्धार्थनाथ सिंह को शिक्षा की स्थिति और दिल्ली का केजरीवाल मॉडल बनाम योगी का उत्तर प्रदेश मॉडल पर बहस की चुनौती दी। आम आदमी पार्टी (आप) के उत्तर प्रदेश प्रभारी एवं सांसद संजय सिंह के साथ यहां पहुंचे सिसोदिया ने कैसरबाग के गांधी भवन में खुली बहस के लिए अपने बगल में सिद्धार्थनाथ सिंह की भी कुर्सी लगवाई और कुर्सी के पीछे सिद्धार्थनाथ का कटआउट लगाया गया। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में सिसोदिया ने कहा कि मैं सिद्धार्थनाथ सिंह का इंतजार करुंगा और मुझे भरोसा है कि वह बहस के लिए आगे आएंगे।

सिसोदिया ने कहा मुझे उत्तर प्रदेश के नेताओं से पहली बार शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली की बात सुनकर अच्छा लगा है। उन्होंने कहा कि उप्र के लोगों ने जबसे भाजपा की सरकार बनवाई तो लोग पूछ रहे कि हमें क्या मिला जबकि दिल्?ली के लोगों ने केजरीवाल की सरकार बनाई तो वहां सरकारी स्कूलों की स्थिति सुधर गई और अच्छे रिजल्ट आने लगे। सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली में प्राइवेट स्कूलों की पांच वर्ष में फीस नहीं बढ़ने दी गई जबकि उत्तर प्रदेश में कई गुना बढ़ गई। उत्तर प्रदेश में बिजली के दाम लगातार बढ़ रहे हैं और दिल्ली में बिजली 24 घंटे आती लेकिन उप्र के शहरों में कितनी आती मुझे बताने की जरूरत नहीं है। सिसोदिया ने कहा कि उप्र की हालत बद से बदहाल होती गई जबकि पांच वर्ष में दिल्ली की हालत बेहतर हो गई और यह इसलिए कि दिल्ली के लोगों ने ईमानदार सरकार चुनी है। इस दौरान पत्रकारों को दिल्ली के सरकारी स्कूलों की बेहतर स्थिति की एक-डेढ़ वर्ष पहले की वीडियो भी दिखाई गई।

सिसोदिया ने मंगलवार को यहां लखनऊ के दौरे परआने से पहले ट्वीट किया केजरीवाल मॉडल बनाम योगी जी का उत्तर प्रदेश मॉडल पर मंत्री जी द्वारा खुली बहस के आह्वान पर मैं आज लखनऊ में रहूंगा और उम्मीद है कि बहस की चुनौती देने वाले मंत्री सिद्धार्थनाथ योगी जी द्वारा कायाकल्प किये दस स्कूलों की लिस्ट लेकर जरूर आएँगे जहां इंफ्रास्ट्रक्चर, रिजल्ट आदि में सुधार हुए हों। सिद्धार्थनाथ सिंह ने चार दिन पहले ट्वीट किया डिबेट का निमंत्रण देने से पहले आप अपने स्कूलों की हालत तो ठीक कर लें मनीष सिसोदिया जी और यह तो अरविंद केजरीवाल का दूसरा टर्म (कार्यकाल) चल रहा है।

तीन दिन पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा था कि दिल्ली की आबादी जितने बच्चे हमारे बेसिक स्कूलों में पढ़ते हैं तब उनके कथन का संदर्भ लेते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट किया था बच्चों को अच्छी शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य देना हर सरकार की जिम्मेदारी है, फिर चाहे वह 5 लाख हों या 5 करोड़। अच्छी सरकारें बहाने नहीं बनातीं। सिसोदिया ने

ट्विटर पर ही प्रतिक्रिया व्यक्त की अब ये बहाना नहीं चलेगा योगी जी, अगर बड़ी आबादी वाले उत्तर प्रदेश के बच्चों को अच्छी शिक्षा नहीं दे सकते तो यह आपकी अक्षमता है। उल्लेखनीय है कि अरविंद केजरीवाल ने 15 दिसंबर को ट्विटर पर अपना एक वीडियो पोस्ट किया था जिसमें उन्होंने 2022 में उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी के लड़ने का एलान किया था और इसी के बाद से उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार और दिल्ली की आप सरकार के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है।

पीएम मोदी ने आईआईएसएफ का किया उद्घाटन, बोले- भारत 'ग्लोबल हाईटेक पावर' के विकास और क्रांति का बन रहा केंद्र

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवोन्मेष में भारत की एक समृद्ध विरासत रही है और आज भारत 'ग्लोबल हाईटेक पावर' के विकास और क्रांति का केंद्र बन रहा है। वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से चार दिवसीय भारतीय अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएफ) के छठे संस्करण का उद्घाटन करने के बाद उन्होंने कहा कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी भारत में अभाव और प्रभाव के अंतर को कम करने में सेतु का काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा, ''आज गांव में इंटरनेट का इस्तेमाल करने वालों की संख्या शहरों से ज्यादा है। गांव का गरीब किसान भी डिजिटल पेमेंट कर रहा है। आज भारत की बड़ी आबादी स्मार्ट फोन आधारित ऐप से जुड़ चुकी है। आज भारत ग्लोबल हाईटेक पावर (वैश्विक उच्च प्रोद्योगिक शक्ति) के विकास और क्रांति दोनों का केन्द्र बन रहा है।''

उन्होंने कहा कि डिजिटल तकनीक के माध्यम से गरीब से गरीब को भी सरकार के साथ सीधे जोड़ा गया है और सामान्य भारतीयों को ताकत भी दी है और सरकारी सहायता की सीधी तेज आपूर्ति का भरोसा दिया है। उन्होंने कहा, ''बीते छह साल में युवाओं को अवसरों से जोड़ने के लिए देश में विज्ञान और प्रौद्योगिक के उपयोग का विस्तार किया गया है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी भारत में अभाव और प्रभाव के अंतर को भरने का बहुत बड़ा सेतु बन रहे हैं।'' प्रधानमंत्री ने कोरोना के टीके के इजाद में लगे वैज्ञानिकों की सराहना की और कहा कि विज्ञान व्यक्ति के अंदर के सामर्थ्य को बाहर लाता है। उन्होंने कहा, ''यही भावना हमने कोविड वैक्सीन के लिए काम करने वाले हमारे वैज्ञानिकों में देखी है। हमारे वैज्ञानिकों ने कोरोना के खिलाफ लड़ाई में हमें बेहतर स्थिति में रखा है।'' केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री हर्षवर्धन भी इस अवसर पर उपस्थित थे। उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू महोत्सव के आखिरी दिन 25 दिसंबर को संबोधित करेंगे। इस बार आईआईएसएफ-2020 का विषय ''आत्मनिर्भर भारत और विश्व कल्याण के लिए विज्ञान'' रखा गया है। इस महोत्सव का आयोजन वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से संबंधित विज्ञान भारती, बायोटेक्नोलॉजी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय संयुक्त रूप से किया गया है। वर्ष 2015 में शुरू हुआ आईआईएसएफ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहन देने का एक उत्सव है। इसका उद्देश्य जनता को विज्ञान से जोड़ना, विज्ञान की खुशी को मनाना और यह दिखाना कि कैसे विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) जीवन में सुधार के लिए समाधान उपलब्ध करा सकते हैं।

कोरोना का नया स्वरूप, लंदन से आए यात्री में संक्रमण की पुष्टि, सैंपल को टेस्ट के लिए भेजा गया

चेन्नई। (एजेंसी)।

दिल्ली होकर लंदन से आए एक यात्री में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई है और उसके नमूनों के जीनोम का विश्लेषण कर पता लगाया जाएगा कि क्या यह ब्रिटेन में वायरस के नए स्वरूप के समान है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को इस बारे में बताया। राज्य के स्वास्थ्य सचिव जे राधाकृष्णन ने बताया कि कोरोना वायरस से संक्रमित यात्री को सरकार संचालित 'किंग इंस्टीट्यूट ऑफ प्रीवेन्टिव मेडिसीन एंड रिसर्च' केंद्र में भर्ती कराया गया है। उन्होंने संवाददाताओं को बताया कि व्यक्ति के नमूने को जीनोम विश्लेषण के लिए राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान, पुणे भेजा जाएगा।

उन्होंने कहा, ''विश्लेषण में यह देखा जाएगा कि क्या वायरस का यह वही स्वरूप है, जिसके मामले ब्रिटेन में आए हैं।'' पिछले 10 दिनों में ब्रिटेन से आए 1,000 से ज्यादा यात्रियों के स्वास्थ्य की भी निगरानी की जा रही है। उन्होंने कहा कि विदेश से आने वाले सभी यात्रियों की कोरोना वायरस की जांच की जा रही है और उन्हें दिशा-निर्देश के मुताबिक घर पर या सांस्थानिक पृथक-वास में रहने की सलाह दी जा रही है।

उन्होंने बताया कि ग्रेटर चेन्नई नगर निगम के अधिकारी, लोक स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर बाहर से आने वालों के स्वास्थ्य की स्थिति का पता लगा रहे हैं। एअर इंडिया की लंदन-दिल्ली उड़ान से आए छह यात्रियों में सोमवार को कोरोना वायरस संक्रमुण की पुष्टि हुई है। पांच यात्रियों में दिल्ली हवाई अड्डे पर संक्रमण की पुष्टि हुई और एक व्यक्ति दिल्ली से चेन्नई के लिए रवाना हो गया था। ब्रिटेन में नए प्रकार के कोरोना वायरस का मामला सामने आया है और यह बहुत तेजी से फैलता है।

देश में छह महीने बाद कोरोना के नए मामलों की संख्या 20 हजार से कम, सक्रिय मामले भी तीन लाख से नीचे

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भारत में करीब छह महीने बाद 24 घंटे की अवधि में सामने आए कोविड-19 के नए मामलों की संख्या 20 हजार से कम रही। वहीं उपचाराधीन लोगों की संख्या भी अब तीन लाख से कम हो गई है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार कोविड-19 के 19,556 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमण के मामले बढ़कर 1,00,75,116 हो गए हैं। वहीं 301 और लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 1,46,111 हो गई।

आंकड़ों के अनुसार कुल 96,36,487 लोगों के संक्रमण मुक्त होने के साथ ही देश में मरीजों के ठीक होने की दर बढ़कर 95.65 प्रतिशत हो गई है। वहीं कोविड-19 से मृत्यु दर 1.45 प्रतिशत है। देश में उपचाराधीन लोगों की संख्या भी तीन लाख से कम हो गई है। अभी 2,92,518 लोगों का कोरोना वायरस संक्रमण का इलाज चल रहा है, जो कुल मामलों का 2.90 प्रतिशत है। भारत में सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितम्बर को 40 लाख के पार चली गई थी।

वहीं, कुल मामले 16 सितम्बर को 50 लाख, 28 सितम्बर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख और 20 नवम्बर को 90 लाख और 19 दिसम्बर को एक करोड़ के पार चले गए थे। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के अनुसार देश में 21 दिसम्बर तक 16,31,70,557 नमूनों की कोविड-19 संबंधी जांच की गई, जिनमें से 10,72,228 नमूनों की जांच सोमवार को की गई।

शिवसेना ने पीएम मोदी के गुरुद्वारे जाने पर ली चुटकी, कहा- इससे किसानों के प्रदर्शन का क्या नतीजा निकलेगा

मुंबई। (एजेंसी)।

शिवसेना ने मंगलवार को पूछा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दिल्ली के रकाबगंज गुरुद्वारा जाने और गुरुतेग बहादुर से प्रेरणा लेने की अपील से किसानों के प्रदर्शन का क्या नतीजा निकलेगा, जिसमें उनके अनुयायी शामिल हैं। शिवसेना के मुखपत्र सामना के मराठी संस्करण में एक संपादकीय में मोदी के रविवार को गुरुद्वारा जाने और गुरु तेग बहादुर को उनके सर्वोच्च बलिदान के लिये श्रद्धांजलि अर्पित करने का जिक्र किया गया है। गुरु तेग बहादुर की रविवार को पुण्यतिथि थी।गुरुद्वारा रकाबगंज में उनका अंतिम संस्कार किया गया था। सिखों समेत हजारों किसान मोदी सरकार के तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ 26 सितंबर से दिल्ली की सीमाओं पर प्रदर्शन कर रहे हैं। संपादकीय में कहा गया है कि मोदी के गुरुद्वारा जाने पर भी किसान टस से मस नहीं हुए और सिख किसानों के साथ प्रदर्शन जारी रखा। संपादकीय में कहा गया है, प्रधानमंत्री मोदी ने गुरु तेग बहादुर से प्रेरणा लेने की अपील की है। सुनकर खुशी हुई। हजारों सिख योद्धा उन्हीं से प्रेरणा लेकर दिल्ली सीमा के निकट लड़ाई लड़ रहे (आंदोलन) हैं। ऐसे में

सवाल उठता है कि इस लड़ाई का क्या नतीजा निकलता है। संपादकीय में लिखा है कि मोदी के गुरुद्वारा पहुंचनेपर गुरबाणी हो रही थी। गुरबाणी कहती है कि अगर कोई अपने विचार नहीं बदलता है, तो भगवान की सेवा और उसके प्रति श्रद्धा किसी काम की नहीं है। इसमें लिखा है कि पवित्र धार्मिक ग्रंथ को कितनी भी बार पढ़ लीजिये अगर इससे आपको सीख नहीं मिलती, तो इसका कोई फायदा नहीं है। साथ ही यह भी सवाल किया गया है कि अगर किसी का समय आ गया है और उसे अपने कर्मों का हिसाब-किताब देना पड़े तो वह क्या करेगा। संपादकीय में कहा गया है कि गुरबाणी में बताया गया है कि समय के आगे किसी का जोर नहीं चल सकता।

जनवरी-फरवरी तक नहीं होंगी बोर्ड परीक्षाएं, शिक्षा मंत्री निशंक ने दी यह अहम जानकारी

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने मंगलवार को कहा कि 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा जनवरी-फरवरी 2021 तक नहीं होगी और फरवरी के बाद परीक्षाएं कब कराईं जा सकती हैं, इस पर विचार विशर्म करेंगे। बोर्ड परीक्षा के आयोजन के बारे में डिजिटल माध्यम से शिक्षकों के साथ संवाद करते हुए निशंक ने कहा कि जनवरी-फरवरी माह तक बोर्ड परीक्षा कराना संभव नहीं होगा। फरवरी के बाद परीक्षाएं कब कराईं जा सकती हैं, इस पर विचार विशर्म करेंगे और आगे सूचना दी जाएगी। डिजिटल संवाद के दौरान एक शिक्षिका ने पूछा था कि क्या बोर्ड परीक्षा का स्थगन संभव है ? क्या इसमें तीन माह की देरी हो सकती है ?

इसके जवाब में शिक्षा मंत्री निशंक ने कहा कि मोदी सरकार छात्रों के साथ है और हम लगातार छात्रों के साथ बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने कोरोना काल में जेईई मेन और नीट जैसी बड़ी परीक्षाएं कराईं और बिहार चुनाव में इन परीक्षाओं का उदाहरण लिया गया। उन्होंने कहा कि हम नहीं चाहते कि छात्रों पर कोविड डिग्रीधारी का ठप्पा लगे और यह भी नहीं चाहते कि कोई यह कहे कि कोविड के समय डिग्री मिली, इसलिये आवेदन न करें। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में बिहार चुनाव के संदर्भ में चुनाव आयुक्त ने कहा था कि जेईई, नीट के मानकों का पालन करते हुए हम चुनाव करायेंगे और यह सफल चुनाव रहा था।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा, '' जनवरी-फरवरी में बोर्ड परीक्षाएं नहीं होंगी। फरवरी माह तक इसे कराना संभव नहीं होगा। फरवरी के बाद परीक्षाएं कब कराई जा सकती है, इस पर विचार विमर्श करेंगे और आगे जानकारी दी जायेगी।'' एक शिक्षक ने पूछा कि जब आनलाइन पढ़ाई करायी जा सकती है तब आनलाइन परीक्षा क्यों नहीं ली जा सकती, इस पर निशंक ने कहा कि अभी भी कुछ संख्या में छात्रों को शिक्षा तक एक समान पहुंच उपलब्ध नहीं है, ऐसे छात्रों के लिये लैपटाप और स्थिर इंटरनेट उपलब्ध कराना होगा और ऐसे में इस तरीके से परीक्षा लेना उचित नहीं होगा।

शिक्षकों के प्रशिक्षण से जुड़े एक सवाल के जवाब में केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि मंत्रालय ने निष्ठा कार्यक्रम के जरिये शिक्षकों के प्रशिक्षण का कार्यक्रम शुरू किया है। सीबीएसई ने अप्रैल से अगस्त के बीच करीब 4 लाख 80 हजार शिक्षकों को ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया है, वहीं केवीएस ने 15 हजार शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जबकि जवाहर नवोदय विद्यालय ने 9 हजार शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को सही रखने के लिए शिक्षा मंत्रालय ने काफी काम किया है। इसके लिए मंत्रालय ने फिट इंडिया मूवमेंट, ऑनलाइन योगा सेशन, ऑनलाइन कार्यक्रमों सहित तमाम कार्यो को शामिल किया गया है।

उन्होंने कहा कि इसी सिलसिले में 'मनोदर्पण' कार्यक्रम शुरू किया गया है जिसके तहत चिकित्सक सुझाव देने के लिये उपलब्ध रहते हैं। शिक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि दुनिया के हम पहले देश होंगे जो कि स्कूली शिक्षा के स्तर पर ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की शुरूआत होगी। यह नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत किया जा रहा है। व्यावसायिक शिक्षा के बारे में शिक्षा मंत्री ने कहा वर्तमान में हजारों सीबीएसई स्कूलों में 6ठीं कक्षा से व्यासायिक

शिक्षा दी जा रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भी इस चीज को महत्त्व दिया जा रहा है। सिर्फ किताबी नहीं बल्कि व्यवहारकि ज्ञान पर जोर दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अब छठी कक्षा से इंटर्नशिप के साथ व्यवसायिक शिक्षा की पढ़ाई होगी। ये ज्ञान केवल पुस्तक तक सीमित नहीं होगा। हम चाहते हैं कि सभी माध्यमिक स्कूलों में इसकी पढ़ाई शुरू हो। हमारा प्रयास है कि उद्योगों और कृषि में बच्चों को प्रशिक्षण मिले।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)